https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
बुधवार, 5 नवम्बर 2025
वर्ष 18 अंक 53
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 28° से.
न्यूनतम : 18° से.
jantaunion@gmail.com

दो बच्चों को लेकर भाग रही महिला पकड़ी...- 3 | धान खरीद में बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी...-8

बिलासपुर में मालगाड़ी के ऊपर चढ़ी पैसेंजर ट्रेन, 4 यात्रियों की मौत

बिलासपुर (जीएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को जयरामनगर स्टेशन के पास एक यात्री ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर होने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह टक्कर एक लोकल यात्री ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच हुई। जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने इस दुर्घटना में लोगों की मौत की पुष्टि की है, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। यात्री ट्रेन कोरबा से बिलासपुर जा रही थी।

घटनास्थल के वीडियो में कोरबा पैसेंजर ट्रेन का पहला डिब्बा टक्कर के कारण मालगाड़ी पर चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। घटनास्थल के पास कई लोग जमा दिखाई दे रहे हैं, जबकि अधिकारी बचाव अभियान चला रहे हैं। बचाव और राहत दल मौके पर पहुँच गए हैं और घायलों की मदद तथा नुकसान का आकलन करने के प्रयास जारी हैं। रेलवे और चिकित्सा दल मौके पर मौजूद हैं और अधिकारी बचाव एवं राहत कार्य जारी रखे हुए हैं। पटरी से उतरे डिब्बों के मलबे से पटरियाँ अवरुद्ध होने के कारण रेल यातायात कथित तौर पर प्रभावित हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार, इस टक्कर के कारण ओवरहेड विद्युत लाइनों और सिग्नलिंग उपकरणों को भारी नुकसान पहुँचा है, जिसकी मरम्मत में अधिकारियों का कहना है कि समय लग सकता है। बिलासपुर-हावड़ा मार्ग पर ट्रेन सेवाएँ पूरी तरह से ठप हो गई हैं, कई ट्रेनें या तो रद्द कर दी गई हैं या उनका मार्ग बदल दिया गया है। यह घटना बिलासपुर-कटनी खंड पर हुई, जो एक महत्वपूर्ण और व्यस्त रेलवे कॉरिडोर है।

सार संक्षेप

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में बड़ा धमाका, बेसमेंट के ब्लास्ट से ऊपर तक उड़े चीथड़े

इस्लामाबाद (जीएनएस)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के बेसमेंट में हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के बेसमेंट कैफेटेरिया में एक गैस सिलेंडर फट गया, जिससे पूरी इमारत हिल गई। इस विस्फोट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की इमारत को मामूली नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि ज़ोरदार धमाका कोर्ट परिसर की निचली मंजिलों तक गूँज उठा, जिससे इमारत के अंदर दहशत फैल गई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के बाद वकीलों और अदालत के कर्मचारियों को इमारत से बाहर निकालकर बाहर खुले क्षेत्रों में ले जाया गया।

जहरीले कफ सिरप से मौतें: मेडिकल स्टोर मालकिन डॉक्टर पत्नी ज्योति सोनी अब एसआईटी की गिरफ्त में

छिंदवाड़ा (जीएनएस)। छिंदवाड़ा कफ सिरप मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आरोपी डॉ. प्रवीण सोनी की पत्नी ज्योति सोनी को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ एक प्रमुख आरोप यह है कि उन्होंने और अन्य आरोपियों ने, बेची जा रही जहरीली सिरप के रिकॉर्ड मिटा दिए हैं। अपना मेडिकल स्टोर की मालकिन ज्योति सोनी को अपने पति की गिरफ्तारी के बाद से फरार होने के बाद परासिया कस्बे से गिरफ्तार किया गया। यह मामला कम से कम 24 बच्चों की मौत से जुड़ा है, जिनकी कथित तौर पर किडनी फेल होने से मौत हो गई थी, जब डॉ. सोनी ने उन्हें कोल्ड्रिफ नाम का एक दूषित कफ सिरप पीने के लिए कहा था, जिसे उनकी पत्नी की बगल की दवा की दुकान से बेचा गया था। एसआईटी जांच में अब तक इस मामले के संबंध में सात लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिसने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा का 85 वर्ष की आयु में निधन, जाने अपने पीछे कितनी संपत्ती छोड़ गए

इग्लैंड (जीएनएस)। भारतीय-ब्रिटिश अरबपति और हिंदुजा समूह के अध्यक्ष गोपीचंद परमानंद हिंदुजा का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया, टोरी पीयर रामी रेंजर ने मंगलवार को घोषणा की। ब्रिटिश हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य रेंजर ने एक बयान में हार्दिक संवेदना व्यक्त की। भारतीय मूल के सांसद ने हिंदुजा को सबसे दयालु, विनम्र और वफादार दोस्तों में से एक बताते हुए कहा कि उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है। रेंजर ने एक बयान में कहा कि प्रिय मित्रों, भारी मन से मैं आपके साथ हमारे प्रिय मित्र, जीपी हिंदुजा के दुखद निधन की सूचना साझा कर रहा हूँ, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। वे अत्यंत दयालु, विनम्र और निष्ठावान मित्रों में से एक थे। उनका निधन एक युग का अंत है, क्योंकि वे वास्तव में समाज के शुभचिंतक और मार्गदर्शक थे।

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव की घोषणा, 2 दिसंबर को मतदान

मुंबई (जीएनएस)। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने राज्य की नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायत चुनावों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।

फ्री टिकट कैंसिलेशन... हवाई यात्रियों को सबसे बड़ी खुशखबरी देने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (जीएनएस)। ट्रैवलिंग प्लान में अचानक चेंज आ जाने की वजह से फ्लाइट टिकट को कैंसिल करना यात्रियों की जेब पर काफी भारी पड़ता है। फ्लाइट टिकट कैंसिल करने पर इससे यात्री को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। हालाँकि, यह जल्द ही बीते दिनों की बात हो सकती है। दरअसल, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एक महत्वपूर्ण सुधार का प्रस्ताव दिया है जिससे यात्री बुकिंग के 48 घंटों के भीतर हवाई जहाज का टिकट मुफ्त में रद्द या रिशेड्यूल कर सकते हैं। इसके अलावा, विमानन नियामक ने प्रस्ताव दिया है कि ट्रैवल एजेंट/पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने पर रिफंड की ज़िम्मेदारी एयरलाइनों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। हवाई टिकटों की वापसी के संबंध में नागरिक उड्डयन आवश्यकता (सीएआर) में सुझाए गए बदलावों के अनुसार, एयरलाइनों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वापसी प्रक्रिया 21 कार्यदिवसों के भीतर पूरी हो जाए। जब टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया जाता है, तो बुकिंग के 24 घंटे के भीतर यात्री द्वारा त्रुटि बताए जाने पर एयरलाइन उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाएगी। डीजीसीए के अनुसार, एयरलाइन टिकट बुक करने के 48 घंटे बाद तक लुक-इन विकल्प प्रदान करेगी।

पीएम मोदी का दावा: बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पक्की, 20 साल का रिकॉर्ड टूटेगा

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि बिहार की जनता ने विधानसभा चुनावों में एनडीए को विजयी बनाने और पिछले 20 सालों का रिकॉर्ड तोड़ने का मन बना लिया है। राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन नमो ऐप के ज़रिए बिहार की महिलाओं से बातचीत करते हुए, पीएम मोदी ने आरजेडी और कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जंगलराज के लोग अपनी सबसे बड़ी हार देखेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का विकास एनडीए के नेतृत्व में ही संभव है। मोदी ने कहा कि मैंने इस चुनाव को करीब से देखा है और एक बात कह सकता हूँ कि एनडीए इस चुनाव में भारी बहुमत से जीत रहा है। मुझे एनडीए की जीत पर कोई संदेह नहीं है। बिहार की जनता ने मन बना लिया है कि इस बार वे एनडीए को विजयी बनाकर पिछले 20 सालों का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। जंगलराज के लोग अपनी सबसे बड़ी हार देखेंगे। बिहार का विकास एनडीए के नेतृत्व में ही संभव है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने महिलाओं के जीवन को आसान बनाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, बिजली का खर्च कम हुआ है। हम बिहार के कई शहरों में मेट्रो शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सुशासन होता है, कानून-व्यवस्था होती है, तो महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा, बिहार की महिलाएं उद्यमी बनकर दूसरों को रोज़गार भी दे रही हैं। मुद्रा योजना के ज़रिए सपने साकार हो रहे हैं। जीविका दीदी और डेयरी योजनाओं ने आत्मनिर्भर बनने की ताकत दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार की प्रगति ने गरीबों, महादलितों, पिछड़ों और अति पिछड़े वर्गों सहित सभी वर्गों के दिलों में जगह बनाई है।

नौसेना वाले सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग, इसरो ने रचा इतिहास

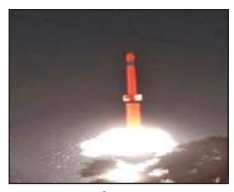

श्रीहरिकोटा (जीएनएस)। इसरो ने एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। इस बार इसरो ने भारतीय नौसेना के लिए सीएमएस03 सेटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर यह कीर्तिमान रचा है। अब नौसेना बेहतर संचार कर सकेगी और दुश्मन के इलाकों पर नजर रख पाएगी। आपको बता दें कि यह भारत का सबसे भारी सेटेलाइट है जिसे इसरो ने अपने बाहुबली रॉकेट एलवीद्ब35 से लॉन्च किया। देसी तकनीक से बनाई यह सैटेलाइट नौसेना के जहाजों, विमानों और पनडुब्बियों को बेहतर ढंग से जोड़ने का काम करेगी। भारतीय नौसेना का यह सीएमएस 03 सैटेलाइट जिसे त्नस्8७क्र के नाम से भी जाना जाता है। एक कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। यह सैटेलाइट नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस सैटेलाइट है।

स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित उपग्रह को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया।

54 साल पुराना रिश्ता... जयशंकर ने अलजायानी से निवेश, रक्षा पर की बात

नई दिल्ली (जीएनएस)। बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजायनी भारत दौरे पर हैं। दिल्ली में भारत और बहरीन के विदेश मंत्रियों की सह अध्यक्षता के तहत दोनों देशों के बीच साझे हाई जॉइंट कमीशन की बैठक हुई। इस दौरान जारी हुए साझा बयान में दोनों पक्षों ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी भर्य्तसना की। क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म से लड़ाई को इंटेलीजेंस शेयरिंग, कैपिसिटी बिल्डिंग और साइबर सिक्योरिटी में और सहयोग के जरिए धार देने पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने डिफेंस और सिक्योरिटी में और सहयोग के जरिए धार देने पर सहमति बनी। इस बात पर भी सहमति हुई कि सितंबर में नेवी के तीन जहाजों के बहरीन आने से मेरिटाइम सिक्योरिटी और गहरी हुई है। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय डबल टैक्सेशन अवॉइडेंस अग्रीमेंट में हो रही वार्ताओं में प्रगति को सराहा। दोनों विदेश मंत्रियों ने डिफेंस, सिक्योरिटी, अर्थव्यवस्था, व्यापार, फिनटेक, स्पेस, कल्चर और पीपल टू पीपल संबंधों को लेकर प्रगति को सराहनीय करार दिया। दोनों पक्षों ने माना कि चौथे जॉइंट कमिशन के दौरान व्यापार और निवेश को लेकर बने जॉइंट वर्किंग ग्रुप के अलावा इकॉनमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट की वार्ताएं अहम हैं। इसके साथ जयशंकर ने अगले महीने जीसीसी समिट को लेकर सहयोग की भी बात की।

इस्लामपुर अब से ईश्वरपुर... केंद्र सरकार ने दी नए नाम को आधिकारिक मंजूरी

सांगली (जीएनएस)। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को गृह मंत्रालय (एमएचए) से मंजूरी मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया, जबकि इस्लामपुर नगर निगम (नगर परिषद) को अब उरुन ईश्वरपुर नगर परिषद कहा जाएगा।

नाम बदलने की प्रक्रिया इस साल की शुरुआत में शुरू हुई जब राज्य विधानसभा ने 18 जुलाई, 2025 को इस बदलाव की सिफ़ारिश करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव को अंतिम मंज़ूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा गया। अक्टूबर में देश की राष्ट्रीय मानचित्रण एजेंसी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने शहर के नए नाम को औपचारिक रूप देते हुए एक अध्यादेश जारी किया। इसके बाद, भारतीय डाक विभाग और भारतीय रेलवे को आधिकारिक रिकॉर्ड और प्रणालियों को अद्यतन करने के निर्देश भेजे गए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह परिवर्तन सभी प्रशासनिक और सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर परिलक्षित हो।

बिहार चुनाव: पहले चरण का प्रचार थमा, 121 सीटों पर 6 नवंबर को मतदान!

पटना (जीएनएस)। विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोग ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया है कि मतदान केंद्रों पर उत्सव जैसा माहौल बनाया जाए ताकि मतदाता बड़ी संख्या में मतदान के लिए आगे आएं। आयोग ने बूथ पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे तकनीकी नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण के लिए 121 सामान्य, 18 पुलिस और 33 व्यय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए ग्रामीण इलाकों में विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है। निर्वाचन क्षेत्रों के लिहाज से दीघा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 4,57,657 मतदाता हैं, जबकि बरबीघा में सबसे कम 2,31,998 मतदाता पंजीकृत हैं। क्षेत्रफल के अनुसार बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र सबसे छोटा (16.239 वर्ग किलोमीटर) और सूर्यगढ़ा सबसे बड़ा (62.247 वर्ग किलोमीटर) है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार पहले चरण में मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर जिलों में मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने छह विधानसभा सीट पर मतदान के समय में एक घंटे की कमी की है। इन 2135 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इनमें सिमरी बख्तियारपुर (410 बूथ), महिषी (361 बूथ), तारापुर (412 बूथ), मुंगेर (404 बूथ), जमालपुर (492 बूथ) और सूर्यगढ़ा (56 बूथ) शामिल हैं। यह फैसला इन क्षेत्रों की संवेदनशीलता, प्रखंड मुख्यालय से दूरी और स्थानीय प्रशासन के सुझावों के आधार पर लिया गया है। बाकी 115 सीट के 43,206 बूथों पर मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए कुल 45,341 बूथ बनाए गए हैं, जिनमें 45,324 मुख्य बूथ और 17 सहायक बूथ होंगे।

भारत ने मिलाया तालीबान को फोन, 2 तरफ से घेरा गया पाकिस्तान

नई दिल्ली (जीएनएस)। पाकिस्तान को पहली बार एक ही समय पर भारत और अफगानिस्तान ने दो तरफ से घेर लिया है। पाकिस्तान के दोनों तरफ भारत और अफगानिस्तान की सेनाओं का भयंकर मूवमेंट शुरू हो गया है। सुबह दोपहर, रात तीनों समय गोलाबारी की जा रही है। यह सामान्य घटना नहीं है। यह नया बवाल क्या शुरू हुआ है? पाकिस्तान ने घबराहट में हजारों लोगों को अपने देश से क्यों निकाल दिया है। दरअसल अफगानिस्तान के उत्तरी शहर मज़ारे शरीफ के पास सोमवार को सुबह 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप में 20 से ज्यादा लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हो गए। लेकिन इस भूकंप के बाद जो हुआ उसने भारत और पाकिस्तान के बीच फर्क दिखा दिया है। एक तरफ भारत वो पहला देश बन गया जिसने अफगानिस्तान में मदद भेजी लेकिन दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 40 से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को अपने देश से धक्के मारकर निकाल दिया। यह सब कुछ उसी वक्त हुआ जब अफगानिस्तान में भूकंप आया।

अमेरिका सन्न

आर्मी चीफ ने डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ऐसा क्या कहा?

रीवा (जीएनएस)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को मध्य प्रदेश में अपने गृहनगर रीवा में एक सभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर विचार किया, युद्ध के भविष्य के बारे में बात की, और यहां तक ??कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर उनके अप्रत्याशित बयानों और भारत और पाकिस्तान के बीच शांति की मध्यस्थता के हालिया दावों पर कटाक्ष किया। अब जरा सोचिए जब किसी देश का आर्मी चीफ डोनाल्ड ट्रंप जैसी ग्लोबल फिगर का जिक्र करते हुए यह कह रहे हैं कि उन्हें भी नहीं पता कि कल वह क्या करेंगे तो यह एक सिंबॉलिक स्टेटमेंट है। यह केवल एक मजाकिया लाइन नहीं बल्कि आज की जिओपॉलिटिक्स की रूपरेखा दिखाती है।

वॉरफेयर जिस तरह से अफवाहें फैलाई जाती है जैसे आपने सुना तो ऑफ सिंधु ने बोला कराची पे अटैक कर दिया गया है। तो बहुत ऐसी खबरें आई थी जो हमें भी खबर लगती थी कहां से आई है? किसने किया है? हम ढूंढते रह जाते थे। आप लोगों ने जब भी टीवी में देखा होगा आपने देखा होगा तीनों सेना अध्यक्ष जो थे उनके माथे पे कभी शिकन नहीं आई थी। हमेशा आपको मुस्कुराते रहेंगे क्योंकि अगर हम मुस्कुरा रहे हैं तो देश की जनता को एक विश्वास है कि देश जो है वो सही हाथों पर है और जो होगा सही जो भी उसका ऐसा आला था जो हमारे ऊपर अटैक कर सकता था उसके ऊपर हमने जाके अटैक किया और उसके लिए चाहे हमें घर में घुस के मारने की जरूरत पड़ी 100 किलोमीटर तक हम गए आगे आने वाले दिन कैसे होंगे उसके लिए आप और हम किन कर्तव्य मूल है हमें पता नहीं कल कैसे आने वाले हैं ट्रंप जी आज क्या कर रहे हैं।

मेरे ख्याल से ट्रंप जी को भी नहीं पता होगा कल क्या करने जा रहे हैं। तो कहने का यह मतलब है कि चैलेंज इतनी जल्दी आ रहे हैं कि आप जब तक पुराने चैलेंज को पकड़ने की कोशिश करते हो नया चैलेंज सामने आ जाता है और वही सुरक्षा चुनौतियां जो है हमारी सेना के सामने चाहे वो सीमा पर हो चाहे आतंक।

छठ मैया पर सवाल उठा रहे युवराज! योगी का राहुल पर आस्था विरोधी राजनीति का आरोप

लखनऊ (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि जिस तरह कांग्रेस ने भगवान राम और राम मंदिर पर सवाल उठाए थे, उसी तरह उनके युवराज अब छठी मैया पर सवाल उठा रहे हैं। समस्तीपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, सीएम योगी ने कहा, ...पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार में विकास हो रहा है। लेकिन आरजेडी और कांग्रेस के एजेंडे में बिहार का विकास नहीं है। जिस तरह कांग्रेस ने भगवान राम और राम मंदिर पर सवाल उठाए थे, उसी तरह कांग्रेस के युवराज छठी मैया पर सवाल उठा रहे हैं...। यह बयान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा दरभंगा में दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने नाटक किया और छठ पूजा के दौरान पीएम मोदी के स्नान के लिए एक अलग तालाब बनवाया। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि वह छठ के लिए यमुना में स्नान करेंगे। यमुना का पानी गंदा है। अगर कोई इसे पी लेता, तो या तो बीमार हो जाता या मर जाता। कोई भी अंदर नहीं जा सकता। पानी इतना गंदा है कि अगर आप इसमें उतरते, तो बीमार हो जाते या संक्रमण हो जाता।

भीड के दबाव में फिर भिड गये पुलिसकर्मियों से श्रद्धालु

■ घटना के बाद चारों श्रद्धालुओं को पुलिस चौके ले गई, 4 श्रद्धालु गिरफ्तार

जनता यूनियन मथुरा । वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में गुरुवार को श्रद्धालुओं और पुलिसकर्मियों के बीच मंदिर में प्रवेश करने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि श्रद्धालुओं ने आपा खो दिया और व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया व हाथापाई की। इससे मंदिर परिसर में अफरा तफरी का माहौल बन गया। अतिरिक्त फोर्स बुलाकर झगड़ा करने वाले चार श्रद्धालुओं को चौकी लाया गया। जहाँ उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू की। जनपद एटा के अलीगंज क्षेत्र से श्रद्धालु गुरुवार को बिहारीजी के दर्शन करने आये थे। गेट नम्बर दो से श्रद्धालु प्रवेश कर रहे थे, लेकिन मंदिर के अंदर श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने के कारण पुलिसकर्मियों ने गेट के बाहर उपस्थित श्रद्धालुओं को कुछ समय के लिये रोक दिया। इस बात को लेकर अलीगंज के श्रद्धालुओं का पुलिसकर्मियों से विवाद हो गया। कहासुनी मारपीट में बदल गई। पुरुष और महिला श्रद्धालु पुलिसकर्मियों से उलझ गये। आरोप है कि पुलिसकर्मियों पर लात घूसे चलाये। पुलिसकर्मियों द्वारा अतिरिक्त फोर्स मंगाया गया तब जाकर श्रद्धालुओं को नियंत्रित किया जा सका। तीन पुरुष और एक महिला श्रद्धालु को पुलिस पकड़कर बांकेबिहारी मंदिर चौकी पर ले आई जहाँ उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मंदिर के अंदर श्रद्धालुओं द्वारा किये गये हंगामा का वीडियो भी वायरल हो गया।

क्या कहा एसपी सिटी ने

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के दौरान सुबह 10:53 बजे पर वहां आये लोगों ने ड्यूटीरत कांस्टेबल राघवेन्द्र सिंह के साथ मारपीट की है। वह अपने साथियों के साथ वहां भीड़ नियंत्रण और शांति व्यवस्था के लिए लिए तैनात थे। इस मारपीट के साक्ष्य भी सीसीटीवी फुटेज में हैं। तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जा रही है। - राजीव कुमार सिंह, एसपी सिटी

आध्यात्मिक ज्ञान और दर्शन का प्रसार करेगा श्री यति गुरुकुल

जनता यूनियन मथुरा । सनातन संस्कृति के उत्थान और आध्यात्मिक जगत की सेवा के लिए भारतीय दर्शन, कर्मकांड और पुराणों की वैदिक परंपरा का ज्ञान अगली पीढ़ी को प्रसारित करने के लिए खलीफा स्थित अखंड दया धाम के श्री यति गुरुकुल का लोकार्पण सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। संतों और समाजसेवियों के सानिध्य में अखंड दया धाम के संस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज ने श्री यति गुरुकुल का लोकार्पण वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि गुरुकुल परंपरा भारतीय दर्शन और आध्यात्मिक ज्ञान की केंद्र रही हैं। इनका पोषण करना सभी धर्माचार्यों और सनातन प्रेमियों का महत दायित्व है। साध्वी कृष्णानंद ने कहा कि यह गुरुकुल भारतीय वैदिक परंपरा का निर्वहन करने वाले ऐसे छात्रों को परिपक्व आचार्य बनाने के लिए तैयार है जो इस महान संस्कृति का प्रचार प्रसार संस्कारवान होकर विश्वव्यापी पटल पर करेंगे। इस अवसर पर महामंडलेश्वर डॉ. आदित्यानंद महाराज, स्वामी देवस्वरूपानंद, स्वामी सेवानंद ब्रह्मचारी, सुभाष बजरंग, मीरा बजरंग, प्रेमचंद गोयल, कनकलता गोयल, विजय गोयल, कृष्णा गोयल, श्याम अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल, स्वामी संतोष पुजारी आदि मौजूद रहे।

देव दीपावली पर मथुरा के 25 घाट दीपों से जगमग

जनता यूनियन मथुरा । देव दीपावली महोत्सव समिति की बैठक प्रयाग घाट स्थित सरस्वती भवन वरिष्ठ हिंदूवादी नेता गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें कल होने वाले भव्य दीपदान की 25 घाटों पर व्यवस्था के संबंध में चर्चा हुई जिन महानुभावों ने घाटों की व्यवस्था अपने ऊपर ले रखी है उन सब से संपर्क किया गया सभी व्यवस्थापकों ने कहा कि सभी घाटों को हम पूर्ण रूप से बढ़िया सुंदर सजाएंगे और हजारों की संख्या में दीपक जलाएंगे सभी घाटों पर भव्य रंगी से रोशनी की जाएगी कंट्रोल रूम राजघाट पर होगा वहीं से होरन बजाया जाएगा जब सभी घाटों पर दीपक एक साथ जलेंगे दीपक जलाने की व्यवस्था समिति के सदस्यों एवं स्कूल के बच्चों पर होगी वहां पर सब लोग दीपक जलाएंगे राजा घाट पर भजन संध्या होगी भव्य आयोजन की तैयारी की गई है और समस्त धर्म प्रेमी जनता से प्रार्थना है कि हर घर से एक दीपक अवश्य घाटों पर आकर यमुना जी को समर्पित करें इस दिन दीपदान करने से देवता एवं पूर्वज बहुत प्रसन्न होते हैं परिवार में सुख समृद्धि ऐश्वर्या की प्राप्ति होती है और पूर्वजों की आत्मा शांति प्राप्त होती है सभी धर्म परायण लोगों से लोगों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर के श्री यमुना जी के चरणों में एक दीपक अवश्य समर्पित करें देव दीपावली महोत्सव समिति द्वारा कृष्ण गंगा घाट से ध्रुव जी के ध्रुव घाट तक सभी घाटों पर असंख्य दीपक जलाए जाएंगे किए अतः आप आप सभी इस पुण्य कार्य में सहभागी बने सभी सभी सत्संग एवं कीर्तन मंडल मंडलों वालों से आग्रह है कि यमुना जी के इस उत्सव में अपने संकीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों हर घाट पर करें जिससे आम नागरिकों को आनंद प्राप्त होगा बैठक में प्रमुख रूप से देव दीपावली महोत्सव समिति के महामंत्री आचार्य बृजेंद्र नागर नारायण प्रसाद शर्मा पंकज शर्मा योगेश उपाध्याय महेंद्र दत्ताचार्य अजय चतुर्वेदी विवेक प्रेमी अंशुल अग्रवाल पी पी शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

नगर निगमः पांच घंटे तीन कार्यालयों में चली जनसुनवाई में आईं मात्र 21 शिकायत

जनता यूनियन मथुरा । जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए नगर निगम में जनसुनवाई की गई। सुबह 10 बजे से भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश, वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। जनसुनवाई में नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायतकर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान भूतेश्वर जोन में कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से छह अतिक्रमण, छह स्ट्रीट लाइट से संबंधित, एक ट्रांसफर कराने से संबंधित एवं ऐ सफाई से संबंधित है। जिनमें से पांच स्ट्रीट लाइट से संबंधित शिकायत का निस्तारण कर दिया गया है। सिटी जोन में कुल तीन शिकायत प्राप्त हुई जिनमें से एक सीवर से संबंधित, एक पानी से संबंधित एवं एक जन्म प्रमाण पत्र संशोधन से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई । जिनमें से एक जन्म प्रमाण पत्र संशोधन से संबंधित शिकायत का निस्तारण कर दिया गया है।

वृंदावन में मिला गुमशुदा युवक कान्हा

जनता यूनियन मथुरा। ग्राम मुडसेनिया निवासी सचिन उर्फ कान्हा पुत्र कोमल सिंह उम्र करीब 20 वर्ष जो दो नवम्बर को सुबह बरेली हाईवे जाने की कहकर घर से निकला था, शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों द्वारा आस पास तलाश करने के बाद उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना राया में दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी रवी भूषण शर्मा एवं उपनिरीक्षक शिवमन्त सिंह ने टीम बनाकर मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और लगातार अथक प्रयासों के बाद तीन नवम्बर को सचिन उर्फ कान्हा को संगीता धाम, वृंदावन के पास घूमता हुआ सकुशल बरामद कर लिया। परिजनों ने राया पुलिस का आभार जताया और बच्चे के सुरक्षित लौटने पर राहत की सांस ली। थाना प्रभारी रवी भूषण शर्मा ने बताया कि पुलिस हर संभव प्रयास करती है कि गुमशुदा व्यक्ति को शीघ्र बरामद किया जा सके और परिवार को न्याय व सुरक्षा का भरोसा मिले।

देव दीपावली पर भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति द्वारा अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन

जनता यूनियन मथुरा । भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के तत्वावधान में आगामी बुधवार को स्वामी घाट, यमुना मंदिर परिसर में देव दीपावली अमृत महोत्सव का दिव्य आयोजन किया जाएगा।
इस पावन अवसर पर यमुना जी की महाआरती, दीपदान तथा विशेष प्रकाश सज्जा की भव्य व्यवस्थाएँ की गई हैं। संपूर्ण घाट क्षेत्र को रंग-बिरंगी रोशनी और दीपों से सजाया जाएगा, जिससे पूरा स्वामी घाट दिव्य ज्योति से आलोकित होगा।
कार्यक्रम में प्रमुख उद्योगपति विनोद कसेरे विशेष सहयोगी के रूप में सहभागिता करेंगे।
समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रामगोपाल शर्मा ने समस्त श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से आग्रह किया है कि वे देव दीपावली के इस पावन पर्व पर स्वामी घाट पहुंचकर यमुना जी की महाआरती एवं दीपदान में सहभागी बनें तथा पुण्यलाभ प्राप्त करें।

मांट मूला ग्राम पंचायत के वंशीवट पर्यटन स्थल पर प्रत्येक सप्ताह चलेगा स्वच्छता अभियान

जनता यूनियन मथुरा । जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देश पर समाधान दिवस के पश्चात ग्राम पंचायत मांट मूला में स्थित वंशीवन पर्यटक स्थल पर साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दोरान वंशीवन जाने वाली मुख्य नौहझील सड़क के दोनों ओर जलभराव हो रहा था। मौके पर डीपीआरओ ने परामर्शी अभियंता अनीषेक को निर्देश किया कि वे नई विधि से दो सोख्ता गड्ढे और सिल्ट कैचर बनाएं तथा जलभराव को समाप्त करने के लिए सड़क के किनारे स्थित घरों से निकलने वाले पानी को नाली के माध्यम से जोड़ें। निरीक्षण के बाद डीपीआरओ ने बताया कि वंशीवन प्रवेश द्वार के बाईं ओर विजय, श्रीपाल, महेश और मुकेश के द्वारा सार्वजनिक वंशीवन क्षेत्र में भैंस बांध रखी थी जिससे वहां काफी गंदगी हो रही थी। प्रधान को मांट थाने के थाना प्रभारी के साथ समन्वय स्थापित कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए।

यातायात माहः एक महीने पुलिस पढाएगी यातायात नियमों का पाठ

जनता यूनियन मथुरा । जनपद में यातायात माह का विधिवत शुभारम्भ हो गया। धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड में आयोजित ब्रज रज उत्सव 2025 कार्यक्रम स्थल पर यातायात माह के शुभारम्भ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने यातायात माह नवंबर 2025 का फीता काटकर शुभारंभ किया। ´ यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई। इससे पूर्व मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पर्पण किया तथा दीप प्रज्वलित किया। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने यातायात माह के दौरान पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से किये जाने वाले तमाम प्रयासों की जानकारी साझा की। इस दौरान आम लोगों से अपील की गई कि वह तेज गति से वाहन ना चलाएं। हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट का ही प्रयोग करें और यातायात नियमों का अनुपालन करें। इस वर्ष केन्द्र सरकार की ओर से सडक दुर्घटनाओं की संख्या को आधा किये जाने कें संकल्प के साथ काम किया जा रहा है। इस के लिए कई तरह की योजनाएं लाई गयी है। यातायात माह के दौरान लोगों को लगातार सतर्क किया जाता है। यातायात नियमों की जानकारी दी जाती है और दंडित भी किया जाता है। हालांकि यातायात माह का मुख्य उद्देश्य लोगों का यातायत नियमों और सडक पर अपनी और दूसरों की सुरक्षा कैसे की जा सकती है इसकी जानकारी दी जाती है। कार्यक्रम में राजीव सिंह पुलिस अधीक्षक नगर, राजकुमार अग्रवाल पुलिस अधीक्षक सुरक्षा, मनोज कुमार यादव पुलिस अधीक्षक यातायात आदि अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की व्यवस्था शौर्य कुमार प्रभारी निरीक्षक यातायात में संभाली।

यूपी बोर्ड परीक्षाओं के लिए केन्द्र निर्धारण प्रक्रिया शुरू

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं हेतु परीक्षा केन्द्रों के ऑनलाइन निर्धारण हेतु विद्यालयों के भौतिक संसाधनों, विभिन्न सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना की सूचना के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को 10 नवम्बर को बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड करने का समय दिया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने मथुरा सहित प्रदेश के सभी जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों से पूछा है परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण होने वाले विद्यालयों की आधारभूत संरचना कैसी है। उनकी बाउंड्रीवाल, दरवाजा खिड़कियां, सीसी टीवी कैमरे, सुरक्षा के इंतजाम, आने जाने का रास्ता आज है या नहीं के बारे में जानकारी संबंधत विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा अन्तिम भौतिक सत्यापन के पश्चात भरें। जानकारी भरने के बाद उसमें कोई परिवर्तन करना संभव नहीं होगा। यदि किसी विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा कोई गलत, भ्रामक सूचना दी जाती है तो सम्बन्धित प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी तय करते हुए उसके विरूद्ध सुसंगत नियमों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में सूचना अपर सचिव, क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ को जाए। नवीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों या ऐसे विद्यालयों की जियोलोकेशन को त्रुटिरहित रूप से पुनः अपलोड करने के लिए एपीआई युक्त मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य अपने एंड्रॉयड फोन (वर्जन 10 या इससे ऊपर) पर बोर्ड की वेबसाइट से इस एप को डाउनलोड कर सकते हैं।

मिठाईयों की दुकानों का निरीक्षण

जनता यूनियन मथुरा । आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, मथुरा के आदेश के अनुपालन में ज्ञानपाल सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में दलवीर सिंह, राम नरेश व भरत सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु दिनांक 02.11.2025 को अभय मिष्ठान भंडार, बरसाना से पेड़ा का एक नमूना व 04.11.2025 को सुदामा चौक एवं श्रीजी मंदिर, बरसाना, मथुरा के समीप स्थित मिठाईयों की दुकानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थ पेड़ा के तीन नमूने क्रमशः खाद्य कारोबारकर्ता सुरेश यादव, संतोष कुमार व बंशो निवासी बरसाना से संग्रहित किये गये। संग्रहित किये गये कुल चार नमूनों को जांच हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

जीवविज्ञान अनुसंधान में प्रगति विषय पर हुई कार्यशाला

जनता यूनियन मथुरा । किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मथुरा तथा डी.एन.ए.लैब्स सेंटर फॉर रिसर्च एंड इन्नोवेटिव स्टडीज, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शीर्षक पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी और अगली पीढ़ी के इंस्ट्रूमेंटेशन जीवविज्ञान अनुसंधान में प्रगति पर आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. अजय तनेजा तथा प्रो. बी.एल.शर्मा, सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रो अजय तनेजा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऑनलाइन माध्यम से ऐसे लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन प्रशंसनीय है और इससे आणविक जीवविज्ञान में नवांगतुक प्रौद्योगिकी के विषय में विविध जानकारी प्राप्त होती है। इस तरह के कार्यक्रम से अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

ग्राम पंचायत माट मूला में दुकानदारों से वसूला जाएगा

जनता यूनियन मथुरा । जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देश पर समाधान दिवस के पश्चात ग्राम पंचायत मांट मूला में स्थित वंशीवन पर्यटक स्थल पर साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दोरान वंशीवन जाने वाली मुख्य नौहझील सड़क के दोनों ओर जलभराव हो रहा था। मौके पर डीपीआरओ ने परामर्शी अभियंता अनीषेक को निर्देश किया कि वे नई विधि से दो सोख्ता गड्ढे और सिल्ट कैचर बनाएं तथा जलभराव को समाप्त करने के लिए सड़क के किनारे स्थित घरों से निकलने वाले पानी को नाली के माध्यम से जोड़ें। निरीक्षण के बाद डीपीआरओ ने बताया कि वंशीवन प्रवेश द्वार के बाईं ओर विजय, श्रीपाल, महेश और मुकेश के द्वारा सार्वजनिक वंशीवन क्षेत्र में भैंस बांध रखी थी जिससे वहां काफी गंदगी हो रही थी। प्रधान को मांट थाने के थाना प्रभारी के साथ समन्वय स्थापित कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। वंशीवन परिसर को स्वच्छ रखने के लिए आश्रम प्रमुख की अध्यक्षता में दुकानदारों के साथ बैठक आयोजित कर प्रतिदिन कूड़े के निस्तारण की व्यवस्था करने को कहा। इसमें 6,000 रुपये के न्यूनतम मासिक मानदेय के साथ एक अतिरिक्त, निजी सफाई कर्मचारी की तैनात किया जाए और प्रति दुकानदार 50 रुपये का न्यूनतम सफाई शुल्क निर्धारित कर उसकी वसूली की जाए और दुकानों के लिए दो डस्टबिन (एक प्लास्टिक पॉलीथीन के लिए और एक गीले कचरे के लिए) रखना अनिवार्य करें। जो लोग इस नियम का पालन नहीं करेंगे उन पर जुर्माना लगाया जाए या उनकी दुकानें हटा दी जाएं। डीपीआरओ ने बताया कि वाहन पार्किंग की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। प्रधान व सचिव को निर्देश दिए गए हैं कि वंशीवन क्षेत्र में स्वच्छता के विकास व रखरखाव के लिए पंचायत राज अधिनियम की धारा 15 व 37 के अनुसार एक समिति की देखरेख में नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से पार्किंग व्यवस्था के लिए किसी व्यक्ति को अधिकृत करें।

अन्नपूर्णा और टीएफसी की व्यवस्थाओं का ब्रज तीर्थ विकास परिषद सीईओ ने किया निरीक्षण

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल ने सोमवार को वृंदावन स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र और अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण किया। दोनों ही स्थलों पर नवागत सीईओ ने व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया और श्रद्धालुओं से भी उनके अनुभव पूछे। वृंदावन में मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल ने सर्व प्रथम पर्यटक सुविधा केंद्र (टीएफसी) का निरीक्षण किया। यहाँ की डॉर्मेट्री, हॉल, मीटिंग हॉल, किचिन, शौचालय, स्टोर रूम आदि का निरीक्षण किया। टीएफसी में ठहरे श्रद्धालुओं से बातचीत की। यहाँ की सुविधाओं के बारे में पूछा। टीएफसी का संचालन देख रहे कुलदीप दीक्षित को विभिन्न व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। इसके बाद सीईओ सूरज पटेल ने वृंदावन में ही अन्नपूर्णा भवन को भी देखा। यहाँ की किचिन और भोजन तैयार करने वाली मशीन को देखा। सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। अन्नपूर्णा भवन परिसर में वृक्ष के चारों ओर लगे जाल पर वृक्ष का नाम और उससे उत्पन्न होने वाली अक्सीजन सहित अन्य प्रेणनादायक जानकारी अंकित करने के निर्देश दिए। आधार कार्ड के बगैर भी यहां आने वाले को श्रद्धालुओं को भोजन कराने के लिए कहा।

ऑनलाइन रिश्ते का, ऑफलाइन विवाद! दूल्हे को जमकर पीटा, रात भर बंधक बनाया

जनता यूनियन मथुरा । एक पुरानी कहावत है कि च्पानी पीजिए छान, रिश्ता कीजिए जानज् क्योंकि सनातन संस्कृति में विवाह कोई गुड्डा गुड़ियों का खेल नहीं सात जन्मों को निभाने का बंधन है इसी लिए हिंदू रीति रिवाज में विवाह भगवान को साक्षी मान किया जाता है पर फूहड़ता की दौड़ में शामिल हो भारतीय संस्कृति को छोड़ पश्चात संस्कृति की दौड़ में भारतीय शामिल होते जा रहे हैं इसी के चलते भारत में भारत की न्यायपालिका में तलाक के मामले बढ़ते जा रहे हैं पहले के दौर में शादी का रिश्ता बहुत सोच विचार अच्छी तरह देख कर किया जाता था आज ऑनलाइन शादी का फैशन चल गया है उसी के चलते ज्यादा समस्या उत्पन्न हो रही है ऐसा ही एक अजब किस्सा मथुरा में सामने आया है,दुल्हन पर जेवर नहीं चढ़ाने पर सूरत से आई दुल्हन ने शादी के दो घंटे बाद ही सात फेरों के सातों वचन तोड़ दिए। वधू पक्ष ने दूल्हे पर हकीकत छुपाकर रिश्ता करने का आरोप लगाकर जमकर पिटाई लगाई। उसके कपड़े तक फाड़ दिए। रातभर विवाद चला। सुबह दो लाख रुपये दुल्हन पक्ष ने समझौता किया और बरात बैरंग लौट गई। बताया जा रहा है कि शादी डॉट कॉम पर यह रिश्ता तय हुआ था।
वाकया होली गेट इलाके का है। होली गेट क्षेत्र के एक होटल में सूरत से बेटी की शादी करने आए दुल्हन पक्ष के लोग चार दिन से ठहरे हुए थे। रविवार को कानपुर के रहने वाला दूल्हा बरात लेकर पहुंचा। विवाह की सभी रस्में पूरी हो गई। तभी दुल्हन के लिए लाई गई पोटली (डाला) खोला गया तो उसमें जेवर नहीं देखकर दुल्हन पक्ष के लोग सकते में आ गए। वधू पक्ष के लोगों ने दूल्हे की मां से पूछा तो उन्होंने कहा कि हमने जेवरों की बात नहीं की थी। इसी पर विवाद खड़ा हो गया। दुल्हन पक्ष के लोगों ने बताया कि वह 4 दिन से मथुरा में होटल लेकर ठहरे हुए हैं। दूल्हे ने मथुरा में खुद का घर बताया था, लेकिन वह किराये के कमरे में रह रहा है। उसने अच्छी नौकरी बताई थी, लेकिन प्राइवेट जॉब करता है। रिश्ते के समय दूल्हा पक्ष ने अपनी हकीकत छुपाई।
इसी पर दुल्हन पक्ष के लोग आगबबूला हो गए। सभी ने दूल्हे को पीटना शुरू कर दिया। दूल्हे के कपड़े तक फाड़ डाले। किसी तरह दूल्हे के दो बहनोई ने उसे बचाया, लेकिन वधू पक्ष वालों ने रिश्ता तोड़ने का एलान कर दिया। खर्च हुए पांच लाख रुपये की मांग की।
इसके बाद रातभर दूल्हे को बंधक बनाकर रखा। दोनों बहनोई ने किसी तरह दो लाख रुपये का इंतजाम करके दुल्हन पक्ष को दिया, तब कहीं जाकर दूल्हे को छोड़ा गया। इसके बाद भी दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे की दोबारा पिटाई लगाई। वहीं दूल्हे का कहना था कि शादी से पहले उसकी लड़की से फोन पर बातचीत होती थी। उसने बताया था कि वह मथुरा में अपनी मां व भाई के साथ किराये पर रहता है।

दो बच्चों को लेकर भाग रही महिला पकड़ी

मंगलवार की सुबह घरेलू बातों को लेकर पति से हो गया था झगड़ा

झांसी जयूसं। राजकीय रेलवे पुलिस ने घरेलू बातों को लेकर पति से झगड़ा करके दो बच्चों को लेकर भाग रही महिला को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उक्त महिला व बच्चों को उसके पति के हवाले कर दिया। पुलिस अधीक्षक (रेलवे) विपुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर जीआरपी थाना के उपनिरीक्षक अजय कुमार, मुख्य आरक्षी मोहम्मद मुश्तफा और महिला आरक्षी प्रकांक्षा स्थानीय रेलवे स्टेशन पर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व रेलयात्रियों को जागरुक कर रहे थे, तभी सूचना मिली कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी के ग्राम रनौद निवासी देवीलाल कुशवाहाकी पत्नी अपने दो नाबालिग बच्चों को लेकर भागी है। वह ग्वालियर से चलकर झांसी की ओर आ रही चंबल एक्सप्रेस में सवार है। वह अपने पति से झगड़ा करके भागी है। इस सूचना पर उक्त टीम सक्रिय हो गई। जैसे ही चंबल एक्सप्रेस स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर आकर खड़ी हुई तो टीम ने जनरल कोच में सीट पर बैठी महिला को पकड़ लिया। उसे बच्चों समेत जीआरपी थाना लाया गया। इसकी सूचना उसके पति को दी गई।

दोपहर बाद उसका पति देवीलाल जीआरपी थाना आया। यहां जीआरपी ने कड़ाई से पूछताछ की। पति देवीलाल ने बताया कि छोटी-छोटी बातों को लेकर आए दिन पत्नी उससे झगड़ा करती रहती थी। मंगलवार की सुबह उसने पत्नी को डॉट दिया था। इसी बात से नाराज उसकी पत्नी दोनों बच्चों को लेकर घर से भाग गई थी।

एक बदमाश गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल फोन बरामद

झाँसी जयूसं। राजकीय रेलवे पुलिस ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर एक युवक को चोरी का मोबाइल फोन समेत पकड़ लिया। उसे अदालत में पेश किया। वहां से उसे जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक (रेलवे) विपुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर राजकीय रेलवे पुलिस की टीम शातिर अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत टीम स्थानीय रेलवे स्टेशन पर धरपकड़ कर रही थी, तभी सूचना मिली कि एक बदमाश स्टेशन परिसर में खड़ा है। इसके पास चोरी का मोबाइल फोन है। इस सूचना पर गई टीम ने घेराबंदी कर युवक को मय मोबाइल फोन समेत पकड़ लिया। रेलवे पुलिस के मुताबिक टहरौली थाना क्षेत्र के ग्राम रमपुरा निवासी अभिषेक उर्फ भूरे कोरी को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से वीवी कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश किया। वहां से उसे जेल भेजा गया।

लगातार बारिश से फसलों को भारी नुकसान, सांसद ने मुख्यमंत्री से की क्षतिपूर्ति की मांग

झाँसी जयूसं। झांसी-ललितपुर के सांसद श्री अनुराग शर्मा जी ने संसदीय क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण क्षेत्र के किसानों की फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। इस संबंध में सांसद श्री शर्मा ने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि झांसी और ललितपुर दोनों जनपदों में अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा किसानों को उचित क्षतिपूर्ति और विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। अपने पत्र में सांसद ने उल्लेख किया है कि अक्टूबर 2025 में विभिन्न चरणों में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण धान की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। इसके अतिरिक्त जिन किसानों ने मूंगफली, उर्द या मूंग की फसल बोई थी, वे भी खेतों में पानी भरने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गई हैं।

40 साल पुराने ओएचई वायर को बदलने का कार्य जारी

ज्वाइंटलेस कॉन्टैक्ट वायर किए जा रहे

झांसी जयूसं। झांसी रेल मंडल द्वारा रेलयात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा मेंलगातार कार्य जा रहा है। मंडल में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने की प्रक्रिया सतत रूप से जारी है। पुरानी हो चुकी वस्तुओं को बदलने और नवीन वस्तुओं को स्थापित करने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में ओवरहेड ओएचई वायर को बदलने का भी कार्य किया जा रहा है। मंडल द्वारा अक्टूबर माह में 33 किलोमीटर ट्रैक पर ज्वाइंटलेस कॉन्टैक्ट वायर लगाए गए हैं। इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 94.2 किलोमीटर ट्रैक पर ज्वाइंटलेस कॉन्टैक्ट वायर प्रतिस्थापित किए जा चुके हैं।

मंडल के विद्युत विभाग द्वारा एनआईसीटी ओ मेक ज्वाइंट कॉन्टैक्ट वायर के स्थान पर ज्वाइंटलेस कॉन्टैक्ट वायर लगाए जा रहे हैं। वर्ष 1985-86 में जब रेलट्रैक पर विद्युतीकरण का कार्य शुरु किया गया तब पुरानी टेक्नोलॉजी के कारण 1500 मीटर ह्राश्व वायर (एक ड्रम) की लंबाई में कई जगहों पर ब्रेज़िंग ज्वाइंट लगाए जाते थे। इस वजह से कई बार ह्राश्व वायर टूटने की शिकायत आती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए विद्युत विभाग द्वारा बिना किसी ज्वॉइंट वाले(ज्वाइंट लेस) कॉन्टैक्ट वायर लगाए जा रहे हैं। मंडल द्वारा अभी तक 153.6 किलोमीटर ज्वाइंटलेस वायर लगाए जा चुका है। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि रेलवे आधुनिक हो रहा है। जरूरत के अनुसार आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं। बगैर जॉइंट वाले कॉन्टैक्ट वायर के प्रतिस्थापन उपरांत ह्राश्व फेल्योर से होने वाले ब्रेक डाउन में कमी आई है।उनकी संख्या अब नगण्य के बराबर है। मंडल की समयपालनता में भी निरंतर बढ़ोत्तरी हुई है। इस कार्य में तेजी लाने के लिए दो टावर वैगन अतिरिक्त लगाए गए हैं, जिससे यह कार्य शीघ्र पूरा किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

मिशन शक्ति टीम ने किया जागरुक, छात्र-छात्राओं को दी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी

झांसी जयूसं। मिशन शक्ति फेस 5 के तहत मिशन शक्ती टीम ने एक जागरुकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं को घरेलू विवाद और हिंसा को रोकने के उपायों के साथ-साथ विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। सीपरी बाजार थाना निरीक्षक महेश चंद्र के निर्देशन पर मिशन शक्ति टीम की सदस्य महिला आरक्षी सीमा, बबली और आरती सिंह मंगलवार को जीआईसी कॉलेज पहुंची। यहां पर छात्रों को अभियान के तहत महिलाओं को 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपाताकालीन सेवा), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 102 (गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए), 108 (एम्बुलेंस) और 101 (अग्निशमन सेवा) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखी गई और कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी की गई। यह अभियान महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें सुरक्षित महसूस कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

लापरवाही: ठेकेदार ने खोदी नाली, मकान गिरने की कगार पर

झांसी जयूसं। नगर निगम के ठेकेदार की लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई। इस लापरवाही केचलते खोदी गई नाली से मकान गिरने की कगार पर है। इसको लेकर क्षेत्रवासियों में काफी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शहर के आशिक चौराहा के पास हरचरण कुशवाहा का मकान बना हुआ है। इसी मकान के पीछे नगर निगम द्वारा नाली बनवाई जा रही है। इसी के तहत ठेकेदार के मजदूरों ने नाली बनवाने के लिए खुदाई की तो कुछ मकान गिरने की कगार पर नजर आ रहे हैं। इसकी जानकारी मकान मालिक व लोगों को हुई तो वह लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने नाली बनाने का काम कर रहे मजदूरों को काम करने के लिए मना किया मगर वह लोग नहीं माने। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी तरह अगर नाली खोदती रही तो मकान गिर सकता है। मकान गिरने से काफी नुकसान होने की संभावना है। लोगों ने काम रोकने की मांग की है।

महिला समेत चार लोगों की अकाल मौत

झांसी जयूसं। अलग- अलग स्थानों पर महिला समेत चार लोगों की अकालत मौत हो गई। एक महिला ने फांसी लगाकर जान दी तो चूहा मार दवा का सेवन करने से महिला की मौत हो गई। चिरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम छिनौरा निवासी बबीता राजपूत ने कतिपय कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। वहीं, सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में रहने वाले कुलजीत सिंह की संदिग्ध हालात में मौत हुई है। उधर, उरई के दिगौड़ा निवासी बैजनाथ कुशवाहा बीते रोज झुलस गया था। झुलसी हालात में उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। वहीं, जाखलौन के ग्राम बरौदा निवासी राजाबेटी ने बीमारी के चलते चूहा मार दवा का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

महिला जनसुनवाई तहसील सभागार मऊरानीपुर में 6 नवम्बर को

झांसी जयूसं। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया है कि श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी, सदस्या, उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा 6 नवम्बर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे मऊरानीपुर तहसील सभागार, जनपद झांसी में तहसील स्तर पर एक दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम सत्र में महिला सुनवाई व द्वितीय सत्र में जिला प्रशासन द्वारा चयनित स्थल पर जागरुकता चैपाल का आयोजन आयोग के मा. पदाधिकारियों के नेतृत्व में कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

चिकित्सा सुविधायें गुणवत्तापरक बनाने के लिए नवाचार करें : मण्डलायुक्त

- नवजात शिशुओं की विकृत बीमारियों का सरकार द्वारा निःशुल्क सर्जरी की सुविधा
- झांसी में 05, जालौन 08 तथा ललितपुर में 04 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्थापित फीडबैक सिस्टम का लाभार्थियों द्वारा प्रयोग किया जा रहा

झांसी जयूसं। मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की मण्डलीय समीक्षा करते हुये स्वास्थ्य कार्यकर्मों के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने झांसी मण्डल के तीनों जनपदों झांसी, ललितपुर एवं जालौन के मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिये कि जनसामान्य को चिकित्सा सुविधायें बेहतर बनाने के लिए नवाचार करते हुये अभिनव प्रयोग करें, ताकि आमजनमानस को स्वास्थ्य सम्बन्धी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय से गुणवत्तापरक मिल सकें। मण्डलायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य (आर.बी.एस.के.) के अन्तर्गत जन्मजात विकृतियों, कटे होंठ इत्यादि/स्वास्थ्य समस्याओं के बच्चों को चिन्हित करने के लिये शिक्षा विभाग व आँगनबाड़ी के साथ अभियान चलाया जाये, जिसमें सरकार द्वारा नवजात शिशुओं की विकृत बीमारियों (कटे होंठ इत्यादि) का निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध है। उन्होने आमजनमानस में जानकारी के लिए हिन्दी में पोस्टर तैयार कराकर सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/उप स्वास्थ्य केन्द्र सहित समस्त स्थलों पर पोस्टर चस्पा कराने के निर्देश दिये। उन्होने बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष जोर देते हुये कहा कि कुपोषित बच्चों को गहनतापूर्वक अवश्य चिन्हित करें, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का समाधान हो सके। मण्डलायुक्त ने मण्डल के तीनों जनपदों में टीबी मरीजों को पोषण किट वितरण अभियान में अच्छी प्रगति होने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों इसी प्रकार के तेज गति के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिये कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग किया जाए, ताकि अधिकतर मरीजों का इलाज स्थानीय स्तर पर ही हो सके। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि प्रत्येक रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों का चिकित्साधिकारी अनिवार्य रूप से स्थलीय निरीक्षण करें। उन्होने जन आरोग्य समितियों को सक्रिय बनाने के निर्देश दिये। उन्होने अभियान चलाकर शेष पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाने के निर्देश दिये। उन्होने समस्त अपर/उप मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने आबंटित क्षेत्र का प्रत्येक माह भ्रमण करें जिसकी भ्रमण आख्या जारी की जाये, भ्रमण के दौरान प्रयास किया जाये कि नेशनल क्वालिटी स्टैन्डर्ड सर्टिफिकेशन के गैप को दूर किया जा सके।

मण्डल के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अब ''फीडबैक सिस्टम'' की शुरुआत की गयी, जिसके माध्यम से लाभार्थी अपना सेवा अनुभव डिजिटल माध्यम से दे सकते है, इसकी शुरुआत बरुआसागर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर की गयी है, जिसके अन्तर्गत झांसी जनपद में 05, जालौन 08 तथा ललितपुर में 04 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर फीडबैक सिस्टम की स्थापना की गयी है, जिसका लाभार्थियों द्वारा निरंतर प्रयोग किया जा रहा है। इस पहल को प्रदेश के प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वाथ्य द्वारा प्रशंसा भी की गयी है। इसी प्रकार आंकाक्षात्मक विकास खण्डों में जालौन तथा रमपुरा में स्वास्थ्य कार्यक्रमों का निरंतर अनुश्रवण करते हुये गुणवत्तापरक स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जाये।

मण्डलायुक्त ने मातृ स्वास्थ्य के निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड हेतु स्वास्थ्य विभाग से कूपन लेकर जाने वाले मरीजों को प्राथमिकता दिये जाने के लिए सभी निजी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों को निर्देशित करने के लिए तीनों जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में मण्डलायुक्त ने मिशन शक्ति, बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रोग्राम, पं.दीनदयाल उपाध्याय हेल्थ कार्ड, संचारी रोग नियंत्रण अभियान, ई-संजीवनी, ओपीडी, आशाओं को भुगतान, चिकित्सकों एवं औषधियों की उपलब्धता, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, आभा आईडी क्रिएशन, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, कायाकल्प अवार्ड, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु वजन करने की मशीन सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता बनाये रखने एवं प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये। बैठक का संचालन मण्डलीय परियोजना प्रबंधक सिफ्सा/एनएचएम आनन्द चौबे ने किया। बैठक में अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुमन, सीएमओ झांसी डॉ. सुधाकर पाण्डेय, सीएमओ जालौन डा. देवेन्द्र बिटौरिया, सीएमओ ललितपुर डॉ. इम्तियाज अहमद, जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. पी.केकटियार, जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजनारायण, एसीएमओ, डिप्टी सीएमओ सहित सम्बन्धित चिकित्साधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

उन्नत बीजों से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

झाँसी जयूसं। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में हुआ प्याज, मटर एवं पालक बीज भागीदारी कार्यक्रम। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत उन्नत प्याज, मटर एवं पालक बीज भागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य झाँसी जिले के ग्राम हस्तिनापुर, खजराहा बुजुर्ग, दुर्गापुर एवं लहर के किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज पहुँचाकर उन्हें अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर किसानों को प्याज, मटर और पालक की उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए – इनमें 30 किसानों को प्याज, 40 किसानों को मटर और 30 किसानों को पालक के बीज प्रदान किए गए। इसके साथ ही किसानों को बोरेक्स एवं एनपीके उर्वरक भी उपलब्ध कराए गए तथा उनके वैज्ञानिक उपयोग की विधि विशेषज्ञों ने विस्तार से समझाई।

मुख्य अतिथि डॉ. सुशील कुमार सिंह, निदेशक (प्रसार शिक्षा) ने कहा कि च्उन्नत बीजों और आधुनिक खेती की तकनीकों के प्रयोग से किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।ज्ज कार्यक्रम का सफल समन्वयन डॉ. अर्जुन लाल ओला ने किया। इस दौरान डॉ. आरके सिंह (विभागाध्यक्ष), डॉ. सौरभ सिंह, जीतेंद्र सिंह यादव और सुश्री आकांक्षा सिंह ने कार्यक्रम संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वैज्ञानिकों ने किसानों को बीजों की विशेषताओं, बीजोपचार के लाभों और फसल प्रबंधन की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी देते हुए उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे कार्यक्रम किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

झांसी पुलिस की नई पहल : भारतीय न्याय प्रणाली में बदलाव

झांसी जयूसं। झांसी पुलिस ने एक अनोखी पहल शुरु की है। वे लोगों को नए आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में सिखा रहे हैं। इसके लिए पाठशालाएं लगाई जा रहीं हैं। इन पाठशालाओं में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 के बारे में बताया जा रहा है। ये नए कानून एक जुलाई 2024 से लागू हो गए हैं। इन्होंने पुराने आईपीसी, सीआरपीएसी और साक्ष्य एक्ट की जगह ली है।

पुलिस अधिकारी, जैसे एसएचओ और अभियोजन अधिकारी, कॉलेजों, सामुदायिक हॉल और बाजारों में जाकर लोगों को इन नए कानूनों के बारे में जागरुक कर रहे हैं। वे समझा रहे हैं कि नए कानूनों के तहत नागरिकों के क्या अधिकार और जिम्मेदारियां हैं। साथ ही, नई प्रक्रियाएं भी बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने कहा कि पाठशाला की यह पहल नागरिकों और पुलिस के बीच की दूरी को कम करने का एक कदम है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हर नागरिक समझे कि नए कानून भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में जवाबदेही, पीड़ितों की सुरक्षा और निष्पक्ष प्रक्रियाओं को कैसे मजबूत करते हैं। बीएनएस 2023 के तहत, छोटे-मोटे चोरी के मामलों में, जिनकी कीमत पांच हजार रुपये से कम है, या सार्वजिक नशाखोरी, मानहानि, या सरकारी कर्मचारियों द्वारा अवैध व्यापार जैसे मामलों में पहली बार पकड़े जाने वाले अपराधियों को जेल की सजा के बजाय सामुदायिक सेवा करने का मौका मिल सकता है।

नए कानून न्याय को आसान बनाते हैं। अब शिकायतकर्ता कहीं से भी इलेक्ट्रॉनिक तरीके से एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। वे जीओ एफआईआर भी दर्ज करा सकते हैं। ऐसी एफआईआर को तीन दिनों के अंदर संबंधित पुलिस स्टेशन भेज दिया जाएगा। शिकायतकर्ताओं को अब 90 दिनों के बाद जांच की प्रगति के बारे में एसएमएस से अपडेट मिलेगा। सभी तलाशी और जब्ती की कार्रवाई का ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग करना अनिवार्य होगा। पुलिस को गिरफ्तार किए गए और हिरासत में लिए गए सभी लोगों का विवरण सार्वजनिक रुप से साझा करना होगा। महिलाओं से जुड़े मामलों में, केवल महिला अधिकारी ही उनके बयान दर्ज करेंगी। गंभीर अपराधों के मामलों में, यदि अपराध की सजा सात साल या उससे अधिक है, तो फोरेंसिक जांच करना अनिवार्य होगा। यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि न्याय प्रणाली में पारदर्शिता आए और लोगों का भरोसा बढ़े।

उधर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में कोतवाल राजेश पाल सिंह, मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी एसएसआई किरन रावत के नेतृत्व में गोयंका पब्लिक स्कूल में छात्र तथा छात्राओं से तीन नए कानून तथा हेल्पलाइन नंबर विषयक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इन परिवर्तनों से आम जनता को परिचित कराना है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और न्यायोचित बन सके। नए कानून व केवल न्याय की गति को तेज करेंगे, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास को भी मजबूत करेंगे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव : उम्मीदवारों के लिए खर्च की सीमा तय

ग्राम पंचायत सदस्य से लेकर जिला पंचायत सदस्य तक, सभी पदों के लिए उम्मीदवारों को देना होगा नामांकन शुल्क एवं जमानत राशि

झांसी जयूसं। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 एवं उप-निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पदों के लिए नाम निर्देशन पत्रों के मूल्य, निक्षेप जमानत की धनराशि तथा निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए अधिकतम व्यय सीमा निर्धारित की गयी है।

उन्होने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 (प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष) एवं उप निर्वाचन हेतु ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए सामान्य उम्मीदवारों को नामांकन पत्र का मूल्य 200 रुपये एवं जमानत राशि 800 रुपये जमा करनी होगी, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला उम्मीदवारों के लिए यह राशि क्रमशः 100 रुपये और 400 रुपये तय की गयी है। इस श्रेणी के उम्मीदवार अधिकतम 10 हजार रुपये तक चुनाव व्यय कर सकते है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत प्रधान पद के लिए सामान्य उम्मीदवारों को नामांकन पत्र का मूल्य 600 रुपये एवं जमानत राशि 3000 रुपये जमा करनी होगी, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला उम्मीदवारों के लिए यह राशि क्रमशः 300 रुपये और 1500 रुपये तय की गयी है। इस श्रेणी के उम्मीदवार अधिकतम 01 लाख 25 हजार रुपये तक चुनाव व्यय कर सकते है। सदस्य क्षेत्र पंचायत पद के लिए सामान्य उम्मीदवारों को नामांकन पत्र का मूल्य 600 रुपये एवं जमानत राशि 3000 रुपये जमा करनी होगी, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला उम्मीदवारों के लिए यह राशि क्रमशः 300 रुपये और 1500 रुपये तय की गयी है। इस श्रेणी के उम्मीदवार अधिकतम 01 लाख रुपये तक चुनाव व्यय कर सकते है।

इसी प्रकार सदस्य जिला पंचायत पद के लिए सामान्य उम्मीदवारों को नामांकन पत्र का मूल्य 1000 रुपये एवं जमानत राशि 8000 रुपये जमा करनी होगी, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला उम्मीदवारों के लिए यह राशि क्रमशः 1000 रुपये और 5000 रुपये तय की गयी है। इस श्रेणी के उम्मीदवार अधिकतम 03 लाख 50 हजार रुपये तक चुनाव व्यय कर सकते है।

जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सामान्य उम्मीदवारों को नामांकन पत्र का मूल्य 3000 रुपये एवं जमानत राशि 25000 रुपये जमा करनी होगी, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला उम्मीदवारों के लिए यह राशि क्रमशः 1500 रुपये और 12500 रुपये तय की गयी है। इस श्रेणी के उम्मीदवार अधिकतम 07 लाख रुपये तक चुनाव व्यय कर सकते है।

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 एवं उप निर्वाचनों के विभिन्न पदों/स्थानों पर निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों के उपर्युक्त निर्धारित नाम निर्देशन पत्रों का मूल्य लेकर ही उम्मीदवारों को नाम निर्देशन पत्र प्रदान कर प्राप्त धनराशि को सुसंगत लेखा मद में जमा कराया जायें, इसके साथ ही नाम निर्देशन पत्रों के मूल्य, निक्षेप/जमानत की धनराशि तथा निर्वाचनों में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को व्यय की उपरोक्त निर्धारित अधिकतम सीमा की जानकारी भी प्रदान करें।

इंडिपेंडेंट फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती : किरण राव

मुंबई, (एजेंसियां)। भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहा है। चाहे कहानी की ताकत हो या अभिनय का जादू, इन फिल्मों को बनाने के बाद सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। इसी मुद्दे पर फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (डीआईएफएफ) के दौरान अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों को बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाना आसान कर दिया है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव अब भी खास माना जाता है। किरण राव ने बताया कि फिल्मों के निर्माण और वितरण में कई बड़े बदलाव आए हैं, लेकिन मौजूदा समय में भी अभी कई बाधाएं हैं।

किरण राव ने अपनी बात की शुरुआत भारत की आधिकारिक ऑस्कर प्रविष्टि फिल्म 'होमबाउंड' का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि अब दर्शकों का स्वाद पहले की तुलना में बहुत बदल गया है। पहले लोग मुख्यतः बड़े हीरो और ट्रेडिशनल फिल्मों तक ही सीमित थे, लेकिन अब दर्शक नई कहानियों और अलग अंदाज की फिल्मों में भी रुचि दिखा रहे हैं।

इसका एक बड़ा कारण विभिन्न स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स हैं, जो फिल्मों को घर बैठे भी बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाते हैं। यह बदलाव इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, क्योंकि अब उनकी कहानियों को देखने वाले दर्शक बढ़ रहे हैं। इस दौरान किरण राव ने एक अहम सवाल भी उठाया, जो इंडिपेंडेंट फिल्म निर्माताओं के लिए हमेशा चिंता का विषय रहा है।

फैटी लिवर आम लेकिन एक गंभीर समस्या

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। फैटी लिवर आम लेकिन एक गंभीर समस्या है। शुरुआत में यह दर्द नहीं देता, इसलिए लोग इसे अनदेखा कर देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यकृत की अग्नि और क्षमता कमजोर होने लगती है। थकान, पेट में भारीपन, अपच, मितली और मन बोझिल महसूस होना इसके शुरुआती संकेत हैं। आयुर्वेद में यकृत पित्त का मुख्य स्थान है। जब पित्त असंतुलित हो जाता है, कफ बढ़ जाता है और अग्नि मंद पड़ जाती है, तो मेद धातु सही तरीके से पच नहीं पाती और चरबी यकृत में जमा होने लगती है। फैटी लिवर के मुख्य कारणों में तला-भुना, मीठा, मैदा, जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक, देर रात भोजन, तनाव, कम नींद, व्यायाम की कमी, पेट और शरीर पर चर्बी, मोटापा और शराब शामिल हैं।

- समय रहते सुधारें जीवनशैली
- आयुर्वेदिक नुस्खों से पाएं समस्या से निजात

फैटी लिवर के लक्षण

इसके लक्षणों की बात करें, तो दाईं तरफ पेट में भारीपन, गैस, अपच, मितली, भूख में बदलाव, थकान, सुस्ती, सुबह पेट भारी होना, जीभ पर सफेद परत और पेट पर चर्बी दिखाई देती है।

फैटी लिवर होने से बचने के उपाय

इससे बचने के लिए अनहेल्दी फूड, देर रात भोजन और शराब से परहेज करना चाहिए। हल्का, गरम और पचने में आसान भोजन लेना चाहिए, जैसे मूंग दाल, लौकी, तोरी, परवल, पालक, हल्दी-जीरा-धनिया-सौंफ, छाछ और भुना जीरा। पपीता, सेब और गुनगुना पानी भी लाभदायक हैं। योग और हल्की कसरत भी जरूरी हैं। सुबह धूप में 15 मिनट बैठना, भोजन के बाद वज्रासन, अनुलोम-विलोम और 4-6 सूर्य नमस्कार। रात जल्दी सोना भी आवश्यक है। आयुर्वेदिक औषधियों में भूमि आमला रस, कलमेघ चूर्ण, त्रिफला चूर्ण, पुनर्नवा चूर्ण और एलोवेरा रस लाभदायक हैं, लेकिन किसी भी दवा का उपयोग योग्य वैद्य की सलाह से ही करना चाहिए। कुछ आसान घरेलू नुस्खे भी हैं, जैसे जीरा-धनिया-सौंफ का पानी, लौकी सूप, नींबू जल, अलसी के बीज, अदरक रस और हल्दी। ये पाचन सुधारते हैं, यकृत पर भार कम करते हैं और सूजन घटाते हैं। याद रखें, फैटी लिवर एक चेतावनी है कि जीवनशैली सुधारें। रोजाना छोटे बदलाव ही सबसे बड़ी औषधि हैं। हल्का भोजन, पर्याप्त पानी, सही नींद, हल्की कसरत और मानसिक शांति यकृत को स्वस्थ रखते हैं।

रूसी और खुजली से छुटकारा दिलाएंगे सदाबहार के फूल

बालों का टूटना भी होगा कम

नई दिल्ली, 3 नवम्बर (एजेंसियां)। बाल हमारे व्यक्तित्व का अहम हिस्सा हैं। हर कोई चाहता है कि उसके बाल लंबे, घने और चमकदार हों, लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में बालों की देखभाल करना मुश्किल हो गया है।

प्रदूषण, बदलता मौसम, तनाव, गलत खानपान और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स बालों को कमजोर बना देते हैं। ऐसे में लोग अक्सर महंगे तेलों और शैंपू का इस्तेमाल करते हैं, जो कुछ समय के लिए असर तो दिखाते हैं, लेकिन लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकते हैं। यही कारण है कि अब लोग फिर से प्रकृति की ओर लौट रहे हैं। आयुर्वेद में सैकड़ों साल पहले से ही ऐसे पौधों का जिक्र है जो बालों को जड़ से मजबूत बनाते हैं। इन्हीं में से एक पौधा है, सदाबहार, जिसे वैज्ञानिक भाषा में कैथेरेन्थस रोजियस कहा जाता है। ये पौधा न सिर्फ सुंदर गुलाबी फूलों के लिए जाना जाता है, बल्कि इसके औषधीय गुण भी कमाल के हैं। आयुर्वेद के अनुसार, सदाबहार के फूल ठंडे और रक्त शुद्ध करने वाले होते हैं। इनकी शीतलता सिर की त्वचा को आराम देती है और बालों की जड़ों को पोषण देती है। वहीं विज्ञान की नजर से देखें तो सदाबहार के फूलों में एल्कलॉइड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं। इससे बालों की ग्रोथ तेज होती है और हेयर फॉल कम होता है। इसके अलावा, इसमें पाए जाने वाले एंटी बैक्टीरियल तत्व सिर की खुजली और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से बचाते हैं। यही वजह है कि ये फूल अब नेचुरल हेयर केयर के नए ट्रेंड का हिस्सा बन चुके हैं।

सदाबहार फूलों से बालों की देखभाल का तरीका

सदाबहार के फूलों से बालों की देखभाल कई तरीकों से की जा सकती है। सबसे पहले बात करें इसके तेल की, तो आप चाहें तो घर पर ही सदाबहार का तेल बना सकते हैं। इसके लिए ताजे फूलों को धोकर सुखा लें और फिर इन्हें नारियल या जैतून के तेल में धीमी आंच पर 15-20 मिनट तक पकाएं। जब तेल में फूलों का रंग और खुशबू उतर जाए, तो इसे छान लें और ठंडा करके बालों में लगाएं। नियमित इस्तेमाल से बालों में नमी बनी रहती है और सफेदी की प्रक्रिया धीमी होती है। अगर आप हेयर मास्क लगाना पसंद करते हैं तो सदाबहार के फूलों को गुड़हल के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दोनों ही फूलों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूती देते हैं।

कई समस्याओं का समाधान है सूर्योदय से पहले उठना

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सूर्योदय से पहले उठना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह एक आदत कई समस्याओं का समाधान है और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है। ताजी हवा से लेकर मानसिक शांति तक, सुबह जल्दी उठने के लाभ अनगिनत हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर बताया, 'सूर्योदय से पहले उठकर अविश्वसनीय लाभ पाएं, ताजी हवा से लेकर बेहतर स्वास्थ्य तक, सूर्योदय से पहले अपना दिन शुरू करने से जिंदगी में काफी सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं।

सूर्योदय से पहले की हवा सबसे शुद्ध और ऑक्सीजन से भरपूर होती है। इस समय वायु प्रदूषण कम होता है, जिससे फेफड़े स्वस्थ रहते हैं। सुबह की ताजी हवा में सांस लेने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है और दिन भर ताजगी बनी रहती है।

सुबह जल्दी उठने से नींद, भोजन और व्यायाम का चक्र नियमित होता है। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है, वजन नियंत्रित रहता है और तनाव कम होता है। दिन की शुरुआत व्यवस्थित होने से पूरा दिन ताजगी भरा बनता है।

सुबह जल्दी उठने से शरीर के हार्मोन जैसे मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का संतुलन बना रहता है। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और थकान दूर रहती है। यह आदत इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करती है। यही नहीं, सुबह का शांत वातावरण मन को शांति देता है। इस समय ध्यान करने से तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है।

सुबह जल्दी उठने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। इसके साथ ही सूर्योदय से पहले उठने से पीनियल ग्रंथि सक्रिय होती है, जो मेलाटोनिन हार्मोन बनाती है। यह नींद को नियंत्रित करती है और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करती है। इससे शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक सही रहती है। एक्सपर्ट के अनुसार, सूर्योदय से पहले का समय (ब्रह्म मुहूर्त) ध्यान, योग और पूजा के लिए सबसे उत्तम है। इस समय एकाग्रता बढ़ती है और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। इससे दिन की शुरुआत सकारात्मक होती है।

वजन कम करने के साथ देता है पोषण भी, डीआईपी डाइट प्लान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आजकल हर कोई फिट रहना चाहता है, लेकिन डाइट करना सुनते ही लोगों को भूख, कमजोरी और बेस्वाद खाना याद आ जाता है। ऐसे में डीआईपी डाइट एक ऐसा ट्रेंड बन गया है जो न सिर्फ वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि शरीर को पूरा पोषण भी देता है।

इसकी सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें कुछ भी बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं है, बस सही टाइम पर सही चीजें खाने की जरूरत है।

सुबह का वक्त शरीर को साफ करने और एनर्जी देने का होता है। इसलिए डीआईपी डाइट कहती है कि सुबह 12 बजे तक सिर्फ फल खाओ। जितना आपका वजन है, उसे 10 ग्राम से गुणा करके उतने फल खाने हैं। जैसे अगर आपका वजन 60 किलो है, तो लगभग 600 ग्राम फल खाओ। इससे पेट भी भर जाता है और विटामिन, फाइबर और मिनरल्स की कमी भी नहीं रहती। चाहो तो इसके बाद थोड़ा दलिया या मिलेट्स भी ले सकते हो। लंच 2 प्लेट में लें। एक प्लेट में सलाद और दूसरे में खाना। अपने वजन को 5 ग्राम से गुणा करो। जैसे आपका वजन 60 किलो है, तो आपको 300 ग्राम सलाद खाना है। इससे पेट हल्का रहेगा, पाचन सही रहेगा और ओवरईटिंग से बच जाओगे। इसके बाद आराम से घर का बना खाना दाल-चावल या सब्जी-रोटी खा सकते हो।

डिनर में भी यही तरीका अपनाना है। पहले सलाद, फिर बाकी खाना। बस ध्यान रहे कि जो भी खाओ, धीरे-धीरे और अच्छे से चबाकर खाओ। इससे खाना अच्छे से पचता है और शरीर को पूरा फायदा मिलता है। डीआईपी डाइट का असर सिर्फ वजन घटाने तक सीमित नहीं है।

सऊदी अरब में 'ग्लोबल हार्मनी' पहल का दूसरा संस्करण शुरू हुआ

रियाद सीज़न में 'इंडिया वीक' ने मचाई धूम

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय ने 2 नवंबर को 'ग्लोबल हार्मनी' पहल के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया, जिसकी शुरुआत 'रियाद सीज़न' के दौरान आयोजित 'इंडिया वीक' से हुई। यह पहल सऊदी विज़न 2030 के तहत चल रहे क्वालिटी-ऑफ-लाइफ प्रोग्राम का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सऊदी अरब में रह रहे अलग-अलग देशों के लोगों की विविधता का सम्मान करना, उनके योगदान को पहचान देना, उनकी संस्कृति के बारे में जानना और सऊदी समाज के साथ उनके सफल सम्मेलेशन की खुशी मनाना है। 'ग्लोबल हार्मनी' पहल सऊदी अरब के उस भाव दर्शाती है जिसमें वह पारस्परिक एकजुटता, आपसी समझ और सांस्कृतिक मेल-जोल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल रोजगार, सामाजिक और मनोरंजन जैसे हर क्षेत्र में प्रवासियों की भूमिका को रेखांकित करती है और बताती है कि उन्होंने देश की सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि में कितना योगदान दिया है।

इस वर्ष के संस्करण में, मीडिया मंत्रालय और जनरल एंटरटेनमेंट अथॉरिटी मिलकर रियाद सीज़न के दौरान कई सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इन आयोजनों की शुरुआत 'इंडिया वीक' से होगी, जिसमें भारतीय समुदाय के लंबे समय से सऊदी अरब में दिए गए योगदान को सम्मानित किया जाएगा और संगीत, नृत्य, भोजन, कला और पारंपरिक हस्तशिल्प के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक को भी प्रस्तुत किया जाएगा।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक है आसन

आंखों में थकान, जलन, सूखापन, सिरदर्द जैसी समस्याएं

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज की डिजिटल दुनिया में हमारी आंखें लगातार कंप्यूटर, मोबाइल और टीवी स्क्रीन की रोशनी के संपर्क में हैं। इस वजह से आंखों में थकान, जलन, सूखापन, सिरदर्द और देखने की क्षमता में कमी जैसी समस्याएं आम हो गई हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, आंखों की देखभाल रोजमर्रा की आदतों और योग के माध्यम से भी की जा सकती है। आंखें हमारे शरीर की सबसे जरूरी इंद्रियों में से एक हैं। योगासन में कई ऐसे आसन हैं जो आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने, रक्त परिसंचरण बढ़ाने और आंखों को आराम देने में मदद करते हैं। ये आसन न केवल आंखों की रोशनी को बनाए रखने में सहायक होते हैं, बल्कि तनाव और थकान से भी राहत दिलाते हैं।

त्राटक: ये एक ऐसी योग पद्धति है जो आंखों के फोकस और ध्यान को मजबूत करती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, इस अभ्यास से आंखों की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं और आंखों का ध्यान केंद्रित करना आसान होता है। जब हम किसी निश्चित बिंदु पर अपनी नजर टिकाकर देखते हैं, तो आंखें ज्यादा स्थिर और मजबूत बनती हैं। यह केवल आंखों के लिए नहीं, बल्कि दिमाग के लिए भी एक तरह का व्यायाम है, क्योंकि इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार होता है।

भस्त्रिका प्राणायाम: सांस से जुड़े योग अभ्यास जैसे भस्त्रिका प्राणायाम भी आंखों के लिए फायदेमंद हैं। इस प्राणायाम से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और आंखों की नसों और कोशिकाओं तक पर्याप्त रक्त पहुंचता है। यह आंखों में ऊर्जा और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा, यह अभ्यास मानसिक तनाव को भी कम करता है, जिससे आंखों की थकान और सिरदर्द में राहत मिलती है।

आंखें झपकाना: आंखों को तेजी से झपकाना और फिर उन्हें बंद करके आराम देना एक आसान लेकिन प्रभावी अभ्यास है। इस प्रक्रिया से आंखों की सतह पर नमी बनी रहती है और ड्राई आई जैसी समस्या कम होती है। नियमित रूप से आंखें झपकाने से आंखों की मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ता है और देखने की क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

हथेली से आंख ढंकना: हथेलियों की गर्माहट से आंखों को आराम देना भी योग में शामिल है। जब आंखों पर हथेलियों की हल्की गर्माहट पड़ती है तो आंखों की नसों को आराम मिलता है और रक्त परिसंचरण बेहतर होता है। इससे आंखों की थकान कम होती है और देखने की क्षमता पर धीरे-धीरे अच्छा असर पड़ता है।

विश्व कप विजेता महिला टीम पर देश को गर्व

अमिताभ बच्चन ने कहा- हम जीत गए

मुंबई, (एजेंसियां)। भारत की महिला टीम ने इतिहास रच दिया है। जब महिला वनडे विश्व कप 2025 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया, तो पूरे देश में जश्न का माहौल बन गया।

घर-घर में 'भारत माता की जय' के नारे गूंजे, सड़कों पर आतिशबाजी हुई और सोशल मीडिया पर बधाइयों की लहर शुरू हो गई। भारत ने 47 साल बाद अपनी पहली विश्व कप ट्रॉफी जीती। इस ऐतिहासिक जीत पर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी अपनी खुशी सोशल मीडिया पर जाहिर की।

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जीत गए, भारतीय महिला क्रिकेट, विश्व चैंपियन। ये जीत हम सभी के लिए गौरव की बात है। बधाई बधाई बधाई।'

वहीं सुनील शेट्टी ने लिखा कि पसीना, जज्बा, हौसला और बेमिसाल दिल। इसी तरह इतिहास ने नई चमक पाई। हमारी 'वुमेन इन ब्लू' ने गौरव का पीछा नहीं किया, उन्होंने उसे हासिल किया। हर उस छोटी बच्ची के लिए जो सपना देखती है, और हर उस भारतीय के लिए जो गर्व महसूस कर रहा है, 'हम विश्व चैंपियन हैं।

यह जीत वैसे भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 297 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 87 रनों की लाजवाब पारी खेली और दो विकेट भी लिए, वहीं दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और पांच विकेट लेकर मैच पलट दिया। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 101 के साथ शतक लगाया, लेकिन टीम 246 रन पर ढेर हो गई।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि भारत इससे पहले दो बार फाइनल में पहुंचकर ट्रॉफी से चूक गया था। 47 साल के लंबे इंतजार के बाद आई इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस ऐतिहासिक पल पर टीम को बधाई दी और कहा कि यह जीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। सोशल मीडिया पर नेताओं, खिलाड़ियों, फिल्म सितारों और आम लोगों ने भारतीय टीम की इस उपलब्धि का जश्न मनाया।

कश्मीर की सबसे महंगी फसल केसर पर फिर संकट

पंपोर में केसर का उत्पादन लगभग 90 प्रतिशत घटा

- गहरे रंग, सुगंधित धागे और औषधीय गुणों से भरपूर
- सांस्कृतिक प्रतीक और हजारों परिवारों की आजीविका का स्रोत

जम्मू, (एजेंसियां)। कश्मीर का प्रसिद्ध केसर क्षेत्र एक बार फिर गंभीर संकट से जूझ रहा है जबकि उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि इस साल उत्पादन लगभग 90 प्रतिशत तक गिर गया है। 'कश्मीर का केसर कटोरा' कहे जाने वाले पंपोर के किसानों का कहना है कि इस सीजन में उत्पादन सामान्य स्तर का बमुश्किल 10-15 प्रतिशत ही है, जिससे हजारों परिवार आर्थिक संकट में हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए उत्पादकों ने चिंता व्यक्त की कि अगर तुरंत सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए, तो सदियों से कश्मीर की पहचान रही यह फसल लुप्त हो सकती है। केसर उत्पादक संघ, जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष अब्दुल मजीद वानी कहते थे कि इस साल कंदों में ठीक से अंकुरण नहीं हुआ है। वे कहते हैं कि उत्पादन मुश्किल से 15 प्रतिशत है। यह पिछले साल की फसल का आधा भी नहीं है, जो सामान्य फसल का लगभग 30 प्रतिशत हो था। हर साल यह घट रहा है, और सरकार इस क्षेत्र की सुरक्षा के प्रति गंभीर नहीं दिखती। वानी कहते थे कि मुख्य समस्या बार-बार लंबे समय तक सूखे, प्रभावी सिंचाई की कमी और हाल के वर्षों में उपलब्ध कंदों की खराब गुणवत्ता है।

किसानों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कृषि मंत्री से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और आपातकालीन कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने तत्काल सिंचाई सुविधाओं, केसर के मैदानों की नियमित निगरानी, कंदों की अवैध निकासी और बिक्री को रोकने के उपाय, और नए सिरे से रोपाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कंदों की उपलब्धता की मांग की।

यह सच है कि कश्मीर में केसर की खेती का रकबा 1996-97 में 5,707 हेक्टेयर से घटकर 2019-20 में केवल 2,387 हेक्टेयर रह गया है - 65 प्रतिशत की कमी। जबकि सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि उत्पादन 2021 में 17.33 मीट्रिक टन से घटकर 2022 में 14.87 मीट्रिक टन रह गया और 2023 में मामूली रूप से बढ़कर 14.94 मीट्रिक टन हो गया। हालांकि, पिछले वर्ष का उत्पादन सामान्य उत्पादन का केवल लगभग 30 प्रतिशत ही बताया गया है। हालांकि, उत्पादकों का तर्क है कि ये आंकड़े जमीनी स्तर पर वास्तविकता को नहीं दर्शाते हैं। उनके अनुसार, पिछले वर्ष का वास्तविक उत्पादन औसत फसल का बमुश्किल 20 प्रतिशत था - और इस वर्ष उन्हें समान या उससे भी कम उत्पादन की उम्मीद है।

हालांकि राष्ट्रीय केसर मिशन (एनएमएस) ने स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों और किसान जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कुछ खेतों को पुनर्जीवित किया है, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इसका प्रभाव सीमित है। एसकेयूएएसटी-के के एक कृषि वैज्ञानिक कहते थे कि कंदों को कटाई और खराब भूमि प्रबंधन प्रथाएं मिशन के तहत प्राप्त लाभों को नकार रही हैं।

जानकारी के लिए पंपोर का केसर - जो अपने गहरे रंग, सुगंधित धागे और औषधीय गुणों के लिए विश्व स्तर पर मूल्यवान है - इस क्षेत्र के लिए केवल एक फसल से कहीं अधिक रहा है।

संपादक की कलम से

एक मुकाम पर पहुंच कर समाप्त हो जाती है यात्रा

मनुष्य को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी कहा जाता है। उसकी बुद्धि, विवेक और विचारशक्ति उसे अन्य प्राणियों से अलग बनाती है। अगर हम गहराई से सोचें, तो पाएंगे कि मनुष्य अपनी तमाम उपलब्धियों के बावजूद अभी भी बहुत कुछ नहीं जानता। हालांकि यह प्रकृति और उसके रहस्यों के विस्तार के कारण है। विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म- हर क्षेत्र में मनुष्य की यात्रा जारी है और जितना ज्ञान वह अर्जित करता है, उसके समांतर कई क्षेत्रों में उसकी अज्ञानता भी उजागर होती रहती है। इसीलिए कहा जाता है कि मानव अल्पज्ञ है। मनुष्य ने चांद और मंगल तक अपनी पहुंच बनाई, महासागरों की गहराई नापी और पृथ्वी के छोर तक यात्रा की, लेकिन आज भी वह अपने ही मन की गहराई नहीं माप पाया है। हमारी भावनाएं, चेतना और हमारे विचार किस ढंग से काम करते हैं, यह आज तक रहस्य ही बना हुआ है। मनुष्य जितना ब्रह्मांड को जानने की कोशिश करता है, उतना ही वह अपने भीतर झांकने से कतराता है।

प्रकृति के रहस्यों को समझने के मामले में मनुष्य की अभी सीमित पहुंच रही है। विज्ञान ने भूकम्प, ज्वालामुखी, सुनामी जैसी प्राकृतिक घटनाओं का कुछ अनुमान लगाना सीखा है, पर उन्हें रोक पाने की शक्ति आज भी उसके पास नहीं है। मौसम के पूर्वानुमान की तकनीक विकसित हुई है, फिर भी अचानक आने वाले आंधी-तूफान या बाढ़ जैसी आपदाएं मनुष्य को उसकी असहायता का अहसास कराती हैं। यह सब प्रमाण है कि प्रकृति के विस्तार के समांतर मनुष्य अभी भी ज्ञान की सीढ़ियों के शुरूआती सोपान पर खड़ा है।

ऐसे संदर्भ अक्सर सामने आते रहते हैं कि जब-जब मनुष्य ने इस बात पर गुमान किया कि वह सब कुछ जान चुका है, तभी कोई नई खोज या आविष्कार उसकी भूल को उजागर कर देता है। कभी पृथ्वी को ब्रह्मांड का केंद्र समझा गया, तो कभी यह विश्वास किया गया कि सूर्य पृथ्वी के चारों ओर घूमता है। लेकिन बाद में विज्ञान ने इन धारणाओं को गलत साबित किया। इससे स्पष्ट है कि हमारी जानकारी समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती है।

मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य उसका जन्म और फिर उसकी मृत्यु है। आज तक कोई वैज्ञानिक यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि आत्मा क्या है और मृत्यु के बाद जीवन का क्या स्वरूप होता है। धर्म और दर्शन ने इसके अलग-अलग उत्तर देने का प्रयास किया है, लेकिन कोई भी अंतिम सत्य तक नहीं पहुंच सका। यह भी हमारी अल्पज्ञता का प्रमाण है। ज्ञान के इस अभाव का एक और उदाहरण समाजशास्त्र और राजनीति में देखा जा सकता है। हजारों साल से सभ्यताएं बनती और बिगड़ती आ रही हैं, लेकिन अभी तक कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन सकी, जिसमें सभी को समान अवसर और पूर्ण न्याय मिल सके। युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, भूख और गरीबी आज भी मानवता को चुनौती दे रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि मनुष्य अभी तक जीवन का सही मार्ग नहीं खोज पाया।

मनुष्य की अल्पज्ञता केवल भौतिक या सामाजिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी व्यक्तिगत जिंदगी में भी दिखाई देती है। हम अपने सुख-दुख का कारण तक सही ढंग से नहीं समझ पाते। कभी छोटी-सी असफलता हमें निराशा के गहरे अंधकार में धकेल देती है, तो कभी तुच्छ-सी सफलता पर हम अहंकार से भर जाते हैं। यह अस्थिरता बताती है कि हम अपने मन और भावनाओं को जानने और नियंत्रित करने में कितने असमर्थ हैं। फिर भी, इस अल्पज्ञता का एक सकारात्मक पहलू भी है, क्योंकि मनुष्य सब कुछ नहीं जानता, इसलिए उसमें हर समय कुछ नया जानने की जिज्ञासा बनी रहती है। यही जिज्ञासा उसे नए प्रयोगों और खोजों की ओर प्रेरित करती है। यों यह अपने आप में एक सवाल है कि पूर्णता क्या है और क्या ज्ञान को कभी पूर्ण मान लिया जा सकता है? अगर मनुष्य पूर्ण ज्ञानी होता, तो शायद उसकी यात्रा एक मुकाम पर पहुंच कर समाप्त हो जाती। इसीलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अल्पज्ञता मनुष्य की सबसे बड़ी प्रेरणा शक्ति है।

आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष विज्ञान में तेजी से प्रगति हो रही है। इसके बावजूद जब कोई महामारी फैलती है या कोई नया विषाणु सामने आता है, तो पूरा मानव समाज हिल उठता है। पिछली महामारी के दौरान जो हुआ, वह भी हमें सिखाता है कि सारी उपलब्धियों के बावजूद हम सीमित ज्ञान वाले प्राणी हैं। इस सीमा को स्वीकार करना ही मनुष्य का सबसे बड़ा ज्ञान है। जब हम यह मानते हैं कि हम सब कुछ नहीं जानते, तभी हम सीखने के लिए तैयार होते हैं। विनम्रता और जिज्ञासा ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। अहंकार से ग्रस्त होकर अगर हम सोचें कि अब और जानने को कुछ नहीं बचा, तो वही हमारी सबसे बड़ी भूल होगी।

इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि मानव अल्पज्ञ है। मगर यही अल्पज्ञता उसे निरंतर आगे बढ़ने, सीखने और खोजने की प्रेरणा देती है। सच्चा ज्ञानी वही है, जो अपनी अज्ञानता को पहचान सके। जब तक मनुष्य में यह विनम्रता बनी रहेगी, तब तक वह ज्ञान की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। मनुष्य के पास बहुत ज्ञान है, लेकिन यह सागर की केवल कुछ बूंदें भर हैं। वास्तविक सागर अब भी असीम है। हमें अपनी अल्पज्ञता को स्वीकार करके लगातार जिज्ञासु बने रहना चाहिए। तभी मनुष्य जीवन सार्थक होगा और उसकी यात्रा अनंत ज्ञान की ओर निरंतर चलती रहेगी।

सिख धर्म के सबसे प्राचीन गुरु गुरु नानक देव

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

नानक के काल में भेदभाव, आडम्बर, कपट आदि कर बड़ा बोलबाला था। यह सब देखकर वे बड़े क्षुब्ध रहते थे।वे हमेशा उक्त विसंगतियों से समाज के सुधार का सोचा करते। गंभीर चिंतन मनन के बाद ही उन्हें एक सुनिश्चित विचारधारा एवं सिद्धांत के अंतर्गत जीवन यापन की प्रेरणा प्राप्त हुई थी। नानक सत्यमार्ग की खोज में उत्कंठित थे। इसी समय अर्थात युवा आयु में उन्होंने गृहस्थ त्याग अर्थात घरबार को छोड़कर सन्यास धारण कर लिया। इसी दरम्यान उन्हें सत्यमार्ग का ज्ञान प्राप्त हुआ। नानक ने अपनी अपनी शिक्षाओं और उपदेशों से समाज में लोगों को आडंबर पूर्ण क्रिया कलापों से बाहर निकालने को प्रेरित करना प्रारंभ किया।नानक ने सिक्ख धर्म की स्थापना की, जो प्रारंभ में तो बिल्कुल धर्म पर अधारित था।

यह चौदहवी शताब्दी का समय था जब सिक्ख धर्म अस्तित्व में आया। सिक्ख धर्म का जन्मदाता गुरु नानक को माना जाता है । इस धर्म में उनके बाद नौ गुरु हुए, जिन्होंने इस धर्म की स्थापना के बाद उसे सतत रूप से आगे बढ़ाया । गुरुनानक का जन्म 1469 ई. गुजरांवाला जिले में तलवंडी नामक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम कालूराम था तथा माता का नाम तू था। ऐसा कहा जाता है कि नानक बचपन से ही धीर गंभीर प्रवृत्ति के थे। बुद्धि भी कुशाग्र थी, वे प्रायः दुनिया की ?ओर से उदासीन रहते थे। नानक को हिन्दी, संस्कृत, फारसी में अच्छा अधिकार प्राप्त था।

सिर्फ सोलह वर्ष की उम्र में ही इनका विवाह हो गया। इनके दो ही लड़के थे जिनका नाम श्रीचंद एवं लक्ष्मीदास थे। नानक उन्हें भी साधु संत की संगत में रहने को करते इसलिए कट्टर धार्मिक विचारों और साधू संतो की संगत उनके गृहस्थ जीवन में भी कोई बाधा नहीं खड़ा कर सका था।

नानक के काल में भेदभाव, आडम्बर, कपट आदि कर बड़ा बोलबाला था। यह सब देखकर वे बड़े क्षुब्ध रहते थे।वे हमेशा उक्त विसंगतियों से समाज के सुधार का सोचा करते। गंभीर चिंतन मनन के बाद ही उन्हें एक सुनिश्चित विचारधारा एवं सिद्धांत के अंतर्गत जीवन यापन की प्रेरणा प्राप्त हुई थी। नानक सत्यमार्ग की खोज में उत्कंठित थे। इसी समय अर्थात युवा आयु में उन्होंने गृहस्थ त्याग अर्थात घरबार को छोड़कर सन्यास धारण कर लिया। इसी दरम्यान उन्हें सत्यमार्ग का ज्ञान प्राप्त हुआ। नानक ने अपनी अपनी शिक्षाओं और उपदेशों से समाज में लोगों को आडंबर पूर्ण क्रिया कलापों से बाहर निकालने को प्रेरित करना प्रारंभ किया।नानक ने सिक्ख धर्म की स्थापना की, जो प्रारंभ में तो बिल्कुल धर्म पर अधारित था।

पश्चात उस समय की विषम परिस्थितियों एवं सत्ता लोलुपता एवं भ्रष्ट राजाध्यक्षों के अत्याचारों से त्रस्त होकर बाद के गुरुओरें ने सिक्ख धर्म को धार्मिक के साथ सैनिकता का भी अमली जामा पहनाया ।

नानक अपने को भगवान का दूत मानते थे, और उनका कहना था कि इश्वर एक है, नानक उसका दूत और नानक जो कुछ कहता है सत्य कहता है। नानक की शिक्षायें इस प्रकार हैः

पहली शिक्षा : नानक इस्लाम के पैगम्बरवाद को मानते थे। उनका ईश्वर सर्वशक्तिमान, निर्गुण, उदार तथा श्रेष्ठ है।

दूसरी शिक्षा : नानक ने कहा कि धार्मिक आचरण या शुद्ध आचरण से ही सत्यज्ञान की प्राप्ति हो सकती है।

तीसरी शिक्षा : नानक का कहना था कि, जो सत्यज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु का बहुत महत्व है। एक गुरु की महिमा को उन्हानें बहुत महत्व दिया ।

चौथी शिक्षा : नानक की शिक्षा थी कि सत्यज्ञान की प्राप्ति के लिए इश्वर के सत्यनाम का निरंतर जाप करना चाहिए।

पांचवी शिक्षा : वे आवागमन को मानते थे, और कहते थे कि जब तक मनुष्य को आत्मा, को सत्य का ज्ञान नहीं हो जायेगा, तब तक वह आवागमन के चक्कर में पड़ी दुःख भोगते रहेगी।

छठवीं शिक्षा : नानक, ऊंच नीच भेदभाव, मूर्तिपूजा, पाखंड तथा अंध विश्वासों के विरुद्ध थे ।

वैसे तो वे सन्यास को भी ठीक नहीं मानते थे उनका कहना था कि शुद्ध आचरण तथा पवित्र जीवन ही जीव की मुक्ति का साधन है। उनकी दृष्टि में हिन्दू, मुसलमान, कुरान और रामायण सब बराबर थे। गुरुनानक के बाद सिक्ख धर्म को बढ़ाने के लिए अन्य और नौ गुरु हुये, जिनका संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है गुरु अंगद सिक्खों के दूसरे गुरु अंगद थे। अंगद ने उत्तर भारत की लिपियों को मिला जुलाकर गुरुमुखी लिपि का विकास किया।

नानक की शिक्षाओं के प्रचारार्थ उन्होनें कई केन्द्र स्थापित किए जहां नानक की शिक्षाओं पर चर्चायें तथा संत्संग होता था। गुरु आनंद ने नानक की रचनाओं को इकट्ठा करके उनका एक संग्रह तैयार किया। गुरु अमर दास गुरु आनंद के उत्तराधिकारी गुरु अमरदास हुये। उन्होनें सिक्ख धर्म में से उदासियों को अलग कर दिया। गुरु अमरदास ने बहुत सी मंझिया स्थापित की, जिनमें उन्हानें एक धर्म शिक्षक रखा, जो नानक की शिक्षाओं का प्रचार करता था।

गुरुदास गुरुरामदास अमरदास के दामाद थे। उन्होनें ही वर्तमानं अमृतसर नगर की नींव डाली थी। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की नींव भी इन्हीं के समय में डाली गई। गुरु रामदास ने मसंद प्रथा चलाई।

गुरु अर्जुनदेव पांचवे गुरु थे। उन्होंने अमृतसर में स्वर्णमंदिर को बनवाने का काम पूरा कराया। इसके अलावा तरनतारन और करतार में भी उन्होंने सिक्ख मंदिर बनवाने। गुरु अर्जुन देव ने गुरुओं की गढ़ी अमृतसर में स्थापित की। उन्होनें अपने से पहले के गुरुओं की शिक्षाओं तथा अन्य संप्रदयों की शिक्षाओं को एकत्रित करके उनका एक संग्रह बनाया। यहीं ग्रंथ सिक्खों की आदिग्रथ कही जाती है।

गुरु अर्जुनदेव ने मसंद प्रथा को एक सुदंर व व्यवस्थित रूप प्रदान किया।

गुरु हरगोविंद ने अपने को सिक्खों का धार्मिक नैतिक तथा राजनैतिक नेता दोनों घोषित कर दिया। उन्होनें अमृतसर में एक सदृढ़ किला बनवाया। अपने अनुयायियों को सैनिक शिक्षा में परांगत भी किया।

क. गुरु हरराय गुरुगोविंद के बाद उनके पुत्र हरराय व सिक्खों की हत्या करवा देना देने का षड्यंत्र था, पर इस काम मे विरोधियों को सफलता नहीं मिल पाई 71661 ई. में गुरु हरराय की मृत्यु हो गई।

गुरु हर कृष्ण गुरु हरराय की मृत्यु के बाद हरकृष्ण सिक्खों के नेता बने। पर तीन वर्ष बाद ही चेचक के कारण उनकी मृत्यु हो गई। गुरु हरकृष्ण के बाद 1664 ई. में तेग बहादुर गुरु बने। उन्होंने सिक्ख जाति को संगठित किया और उनमें राष्ट्रीयता की भावना पैदा की। औरंगजेब इनको भी मरवा डालना चाहता था।

काश्मीर में हिन्दुओं के मामले को लेकर जब गुरु तेग बहादुर ने औरंगजेब का विरोध किया तो 1675 ई. में औरंगजेब ने उन्हें दिल्ली बुला भेजा। यहीं उसने गुरु का वध करवा दिया। सिक्खों के दसवें और अंतिम गुरु ने कौम के अंदर नई चेतना उत्पन्न कर दी। उनका कहना था कि जब सब उपाय असफल हो जायें, तो तलवार उठाना ही न्यायसंगत है।

पहाड़वालों की जिजिविषा की देन है उत्तराखंड राज्य

अशोक मधुप

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस हर वर्ष नौ नवम्बर को मनाया जाता है। स्थापना के 25 साल पूरे होने पर इस वार स्थापना दिवस को विशेष उत्साह से मनाया जा रहा है। एक नवंबर से 11 नवंबर तक प्रदेश भर में राज्य स्थापना के 25 साल पूरे होने पर रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कड़ी में तीन नवंबर को विधानसभा के विशेष सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का विशेष संबोधन हुआ तो वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ नवंबर के जश्न में शामिल होंगे।

नौ नवंबर यह दिन उत्तराखंड के लोगों के संघर्ष, बलिदान और अदम्य जिजीविषा की याद दिलाता है। यह वह तारीख है जब नौ नवंबर 2000 को भारत का 27वाँ राज्य – उत्तराखंड (प्रारंभिक नाम उत्तरांचल) – अस्तित्व में आया। वर्षों के लंबे जनसंघर्ष, आंदोलन और अनेक बलिदानों के बाद यह पर्वतीय प्रदेश आखिरकार अपनी अलग पहचान पाने में सफल हुआ।

स्वतंत्रता के बाद उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे पहाड़ी क्षेत्रों के लोग प्रशासनिक उपेक्षा, रोजगार की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। मैदानों से अलग भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस क्षेत्र के लोग लंबे समय से अलग राज्य की मांग कर रहे थे। 1952 में प्रथम पृथक राज्य आंदोलन की आवाज उठी , लेकिन उस समय इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। धीरे-धीरे यह भावना जनमानस में गहराई तक बैठ गई। यहां के निवासी सोचने लगे कि अलग राज्य बनने पर ही प्रदेश का विकास होगा। प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेंगे। 1970 के दशक में उत्तरांचल क्रांति दल जैसे संगठनों ने इस मांग को संगठित रूप से आगे बढ़ाया। 1994 में यह आंदोलन निर्णायक चरण में पहुँचा। तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नौकरियों में आरक्षण नीति को लेकर एक विवादास्पद निर्णय लिया गया, इससे पहाड़ी क्षेत्र के लोगों में असंतोष फैल गया। इस दौरान मसूरी, खटीमा, मुज़फ्फरनगर, रामपुर तिराहा जैसी जगहों पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलीबारी की। इन घटनाओं ने आंदोलन को और तीव्र कर दिया।

राज्य निर्माण के संघर्ष में अनेक लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किए।

खटीमा (जनपद ऊधमसिंहनगर) में एक सितम्बर 1994 शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे राज्य आंदोलनकारियों पर पुलिस ने गोली चला दी। कई लोग मारे गए और अनेक घायल हुए। यह घटना राज्य आंदोलन की चिंगारी बनी।

अगले ही दिन दो सितम्बर 1994 मसूरी में आंदोलनकारियों पर गोलीबारी हुई। राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता इंद्रमणि बडोनी के नेतृत्व में आंदोलन चल रहा था। कई महिलाओं और युवाओं ने इस संघर्ष में भाग लिया।

उत्तराखंड राज्य आंदोलन का सबसे काला अध्याय माना जाता है। मुज़फ्फरनगर के रामपुर तिराहा कांड। यहां पर दो अक्टूबर 1994 दिल्ली कूच कर रहे आंदोलनकारियों पर बेरहमी से गोली चलाई गई, लाठीचार्ज हुआ और महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया और अलग राज्य की मांग राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बन गई। कर्णप्रयाग, गैरसैंण और श्रीनगर जैसे स्थानों पर भी अनेक लोगों ने अपनी जान दी और जेलों में यातनाएँ सहीं।

इन घटनाओं से आंदोलन में नया जोश आया। जनता सड़कों पर उतर आई, छात्र, महिलाएँ, बुजुर्ग और किसान – सभी ने इसमें भाग लिया।

आखिरकार, केंद्र सरकार ने आंदोलन की तीव्रता को देखते हुए पृथक राज्य की मांग पर विचार शुरू किया। एक अगस्त 2000 को संसद में उत्तरांचल राज्य विधेयक पारित हुआ । नौ नवम्बर 2000 को यह राज्य आधिकारिक रूप से अस्तित्व में आया।

इस दिन उत्तर प्रदेश के पहाड़ी जिलों – देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, अल्मोड़ा, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत और ऊधमसिंहनगर – को मिलाकर उत्तरांचल राज्य बना। बाद में 2007 में राज्य का नाम बदलकर उत्तराखंड रखा गया।

राज्य आंदोलन के दौरान अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तराखंड के गांधी के नाम से विख्यात इंद्रमणि बडोनी शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को जनांदोलन का रूप दिया। डॉ. शमशेर सिंह बिष्ट, प्रेमलाल, शांति मेहरा, त्रिलोक सिंह नेगी, सुशीला बलूनी, राजेन्द्र सिंह आसवाल, गोविंद सिंह रावत जैसे अनेक लोगों ने अपने स्तर पर नेतृत्व किया। महिला आंदोलनकारियों ने भी अग्रणी भूमिका निभाई। पहाड़ी महिलाएँ रात-दिन सड़कों पर रहीं और नारे गूँजे – हमारा उत्तराखंड कैसा हो, वीरों की बलिदानी जैसा हो।

प्रदेश बनने के बाद पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड ने शिक्षा, पर्यटन, सड़क, ऊर्जा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल और पिथौरागढ़ जैसे स्थान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाते हैं। राज्य ने अपनी समृद्ध लोकसंस्कृति, लोकनृत्य, संगीत, और पर्वों (जैसे नंदा देवी राजजात, हरेला, फूलदेई) के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इतना कुछ होने के बाद भी राज्य को पलायन, बेरोजगारी, पर्यावरणीय असंतुलन और भूकंपीय खतरे जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। राज्य निर्माण के मूल उद्देश्य – पर्वतीय विकास और स्वावलंबन – की भावना को साकार करना आज भी जरूरी है। इस पर कुछ काम नही हुआ।

उत्तराखंड राज्य की स्थापना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनबलिदान और त्याग का परिणाम है। हर वर्ष नौ नवम्बर को यह दिन याद दिलाता है कि इस राज्य के निर्माण में कितने नौजवानों ने अपने सपनों और प्राणों की आहुति दी। प्रदेशवासियों का कर्तव्य है कि हम उनके सपनों के अनुरूप एक समृद्ध, स्वावलंबी और पर्यावरण-संतुलित उत्तराखंड का निर्माण करें ,ताकि आने वाली पीढ़ियाँ गर्व से कह सकें –यह वही धरती है जहाँ बलिदानों ने इतिहास रचा था।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जीवन का संघर्ष

एक दिन एक व्यक्ति बहुत परेशान लग रहा था। मित्र ने पूछा- क्या बात है? आज इतने परेशान क्यों हो?

उसने कहा- मैं बहुत मुसीबत में फंस गया हूं।

मित्र बोला- तुम्हारी क्या मुसीबत हो सकती है? तुम्हारे दोनों लड़के संपन्न हैं। खूब धन कमा रहे हैं। तुम्हें किस बात की कमी है?

तुम ठीक कहते हो। लड़के संपन्न हैं, पर मेरी मुसीबत उनके कारण ही है। ?सा क्या हुआ, जो मुसीबत आ गई? मुसीबत बहुत बड़ी है। मैंने लड़कों को पढ़ाया। एक डॉक्टर बन गया और एक वकील। उनका यह व्यवसाय ही मुसीबत का कारण है।

उनके व्यवसाय से आपकी मुसीबत का लेना-देना क्या है?

हुआ यह कि एक एक्सीडेंट में मेरे पैर में चोट लग गई, पैर में घाव हो गया। जो डॉक्टर है, वह कह रहा है, पिताजी! घाव को जल्दी ठीक कर लें अन्यथा इसमें रस्सी पड़ जाएगी। हो सकता है फिर पैर काटने के सिवाय कोई विकल्प न रहे। यह तो अच्छी बात है। इसमें मुसीबत का प्रश्न ही कहां है? लेकिन जो वकील है, वह कह रहा है पिताजी! अभी घाव को ठीक नहीं करना है। इसे बढ़ने दें। जब घाव गहरा हो जाएगा, तब मैं दावा करूंगा और पूरा हर्जाना वसूल करूंगा। यही मेरी मुसीबत है। यह जीवन का संघर्ष है, टकराहट है। व्यक्ति दोनों ओर से खिंचा जा रहा है। एक लड़का कहता ठीक कर लें और एक लड़का कह रहा -घाव को और गहरा होने दें। यह जीवन का विचित्र संघर्ष है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति जी रहा है और संघर्षो को झेल रहा है।

लालू का नाम लेकर तेजस्वी ने भाई तेज को कैसे किया बाहर

अजय कुमार

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान से ठीक पहले लालू यादव के परिवार में भाइयों के बीच का विवाद राज्य की सियासत में एक बार फिर केंद्र में आ गया है। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच जारी टकराव न सिर्फ व्यक्तिगत रिश्तों में खटास को दर्शाता है, बल्कि यह महागठबंधन की राजनीति और आरजेडी के भविष्य पर भी असर डाल सकता है। इस विवाद की वजह है तेज प्रताप को घर से बाहर निकाल दिया जाना और तेजस्वी यादव द्वारा लालू यादव द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय जनता दल को पूरी तरह से कब्जा लेना। तेजस्वी यह दिखा रहे हैं कि बड़े भाई तेज प्रताप के अनुचित व्यवहार के चलते पिता लालू यादव का उन्हें (तेजस्वी) साथ मिल रहा है, जबकि हकीकत यह है कि स्वास्थ्य कारणों से लालू यादव राजनीति से करीब-करीब कट गए हैं, वह चाह कर भी तेजस्वी के खिलाफ नहीं जा पा रहे हैं। तेज प्रताप को घर और पार्टी से निष्कासित किए जाने का फैसला भले ही लालू यादव का बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि तेजस्वी यादव ने अपने हित साधने के लिए तेज को मां-बाप से दूर करने में अहम भूमिका निभाई है। इसी के चलते तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ हमलावर हैं। वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना है कि पार्टी और घर से बाहर किए जाने के बाद तेज प्रताप यादव सियासी रूप से ज्यादा परिपक्व नजर आ रहे हैं। उनके बयानों में लोच या हल्कापन नहीं नजर आता है।

हाल के दिनों में तेज प्रताप यादव ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव को नादान और बच्चा जैसे शब्दों से संबोधित किया है। एक बयान में तेज प्रताप ने कहा, अभी वो बच्चा है, चुनाव के बाद उसे झुनझुना पकड़ाएंगे। तेजस्वी यादव द्वारा तेज प्रताप के खिलाफ उनके पारंपरिक क्षेत्र महुआ में प्रचार करने से विवाद और तेज हो गया है। तेज प्रताप ने जवाब में कहा कि वे भी तेजस्वी के गढ़ राघोपुर में प्रचार करेंगे। दोनों भाई खुले तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोलते नजर आए हैं। गौरतलब हो, लालू यादव का परिवार बिहार की राजनीति का सबसे प्रभावशाली परिवार रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तेज प्रताप और तेजस्वी के बीच की दूरी गहरी होती गई। 2017-18 के बाद से ही तेज प्रताप खुद को परिवार और पार्टी के मुख्य निर्णयों से अलग पाते रहे। तेजस्वी यादव को पार्टी की कमान मिलने के बाद यह टकराव खुलकर सामने आ गया। तेज प्रताप का मानना है कि तेजस्वी द्वारा उनकी अनदेखी की गई, जबकि तेजस्वी अपने अधिकारिक रुख पर अडिग हैं और संगठन हित में फैसले लेने की बात कहते हैं।

2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में यह विवाद और बढ़ गया, जब तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी जनशक्ति जनता दल से महुआ सीट से नामांकन किया और तेजस्वी यादव की पार्टी राजद ने भी उसी सीट से प्रत्याशी उतार दिया।

नवनिर्वाचित नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने शहरियों से माँगा स्वच्छता के लिए सहयोग

■ शानदार रहा नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह

■ तुवन परिसर में जुटे शहर के मूर्धन्य

ललितपुर। नपाध्यक्ष के पद की शपथ लेतीं सोनाली जैन और मंचासीन अतिथि।

ललितपुर। नगर पालिका परिषद की अठारहवीं अध्यक्ष बनीं सोनाली जैन ने मंगलवार को ऐतिहासिक तुवन मंदिर परिसर से पद की शपथ ली। नवनिर्वाचित नपाध्यक्ष को मंच से उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार ने शपथ दिलायी। इसके साथ ही नगर को नया प्रथम नागरिक मिल गया है, जो नगर का ख्याल रखेगा।

सोनाली जैन ने शपथ लेने के बाद अपन सम्बोधन में शहर के विकास को तेज करने निवर्तमान दिवंगत अध्यक्ष सरला जैन के अवशेष विकास कार्यों को पूरा करने, शहर के चहुंमुखी विकास को गति प्रदान करने की प्रतिबद्धता की जानकारी दी। मंच पर मौजूद सिद्धपीठ श्रीचण्डी मंदिरधाम के पीठाधीश्वर स्वामी चन्द्रेश्वरगिरी महाराज, सिद्धक्षेत्र श्रीसर्वेश्वरधाम के महन्त जगदगुरू कृष्णगिरी महाराज, महामण्डलेश्वर गिरीश बाबा के अलावा भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, क्षेत्रीय महामंत्री रामकिशोर साहू, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल यादव, राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, एमएलसी रमा निरंजन, शिक्षक विधायक बाबूलाल तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, प्रताप नारायण दीक्षित, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश खटीक, पूर्व नपाध्यक्ष सुभाष जायसवाल, राजाराम गोस्वामी, प्रदीप चौबे, हरीराम निरंजन, राजकुमार जैन चूना, रमेश कुमार सिंह, बब्बू राजा, मनोज खटीक, अनुराग जैन शैलू, चन्द्रशेखर पंथ, कोस्तुभ चौबे, गोविन्द नारायण रावत एडवोकेट, मेडीकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डा.मयंक कुमार शुक्ला, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ.पवन सूद, ऑर्थोपेडिशिन डॉ.एमसी गुप्ता, एडवोकेट मुन्नालाल जैन, डा.विशाल जैन, विवेक जैन जिम्मी, मज्जू सोनी, एमएलसी प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी, अजय पटैरिया, ह्रदेश हुण्डैत, गोलू शर्मा, अजय जैन साइकिल, आशीष हुण्डैत, रामकोटि तांत्रिक, राहुल मोदी, रविकान्त तिवारी, सन्मति सराफ, संजीव जैन ममता, दीवान हिमांशु लोधी, मोहनलाल रैकवार, महेश श्रीवास्तव भैया, वैभव गुप्ता, मंगू पहलवान, मनीष सड़ैया, पार्थ चौबे, सुबोध गोस्वामी सारस्वत, कमलेश सराफ, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश बडैरा, रवीन्द्र दिवाकर, बॉबीराजा नाराहट, डा.संजीव कड़की, अंकुर जैन शानू बाबा, वंशीधर श्रीवास, अशोक रावत, सोहनलाल निरंजन, लक्ष्मी रावत, रूचिका बुन्देला, तुर्का प्रधान पूजा, राधिका राखी ताम्रकार, किरन सेन आदि हजारों गणमान्यजन मौजूद रहे। मंच का सफल संचालन नगरपालिका लिपिक अभिषेक कुमार चौबे ने किया।

एकराय होकर घर में घुसकर युवक को पीटा, क्रॉस केस दर्ज

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्रांतर्गत ग्राम सेवनी के नकवाना निवासी कल्लू पुत्र हरलाल लोधी ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि बीती 19 अक्टूबर को शाम करीब 5.30 बजे वह घर में था, जहां गांव के मौसम पुत्र मन्नू रजक उसके घर में मौजूद था और जब उसने पूछा कि वह उसके घर क्या कर रहा है तो मौसम वहां से भाग गया। कुछ समय पश्चात गांव के श्रीराम पुत्र कुंजी, मन्नू पुत्र श्रीराम, मोहिनी पत्नी अनिल, कमला पत्नी श्रीराम उसके घर में घुस आये और उससे मौसम को गालियां देने की बात कहते हुये हमला कर दिया। आरोप है कि हाथ-पैर व लात-घूसों के अलावा फाबड़े से किये गये हमले में वह घायल हो गया। शोरगुल होने पर बचाव करने पहुंचे उसके भाई के साथ भी उक्त लोगों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 333, 115 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से श्रीराम पुत्र कुंजी रजक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के विवेश, कल्लू लोधी पुत्रगण हरलाल लोधी आये और बिना कारण जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये मारपीट करने लगे। मारपीट करते हुये उसे जान से मारने की धमकी दी। बचाव करने आये पुत्र मन्नू, नाती मौसम, नातिन मोहिनी के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने श्रीराम की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3) व एस.सी.एस.टी. एक्ट की धारा 3 (1)(द), 3 (1)(घ) व 3 (2)(व्ही.ए.) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

आयोजन की जिम्मेदारी निभाएं अधिकारी : सीडीओ

युवा उत्सव-सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विज्ञान मेला की तैयारी पूरी

ललितपुर। बैठक लेते सीडीओ।

ललितपुर। मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में जनपद स्तरीय युवा उत्सव-सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विज्ञान मेलाआयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नन्दित कुमार प्रतिनियुक्त बेसिक शिक्षा अधिकारी, आकाश वर्मा सह जिला विज्ञान अधिकारी, सिद्वार्थ प्रवक्ता राजकीय पॉलिटेक्निक ललितपुर, अनूप कुमार फेरमैन राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान ललितपुर, राहुल जैन प्रतिनियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला युवा कल्याण एवं प्राविद अधिकारी कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। बैठक के एजेण्डा 'विकासित भारत यंग लीडर डायलॉग-2026' के अन्तर्गत जनपद स्तरीय युवा उत्सव की रूपरेखा की जानकारी दी गयी। बताया कि इसमें डिक्लेमेशन, कहानी लेखन, पेटिंग, लोकनृत्य-समूह, लोकगीत-समूह, कविता लेखन, इन्वोवेशन-साइंस मेला प्रदर्शनी का आयोजन होगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कलाकारों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करायी जायेगी। इसके लिए अच्छे बालक या बालिकाओं के चयन हेतु प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज ललितपुर को नोडल नामित किया गया।चर्चा के उपरान्त आयोजन तिथि 6 नवंबर 2025 तय की गयी। स्थल राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज ललितपुर में प्रातः 11 बजे से कार्यक्रम का आयोजन होगा। विद्यालय व महाविद्यालय के कलाकारों की प्रतियोगिता कलाकारों मध्य ही होगी। अन्य क्षेत्रीय कलाकारों की प्रतियोगिता अन्य क्षेत्रीय कलाकारों के मध्य ही होगी। दोनों प्रकार की प्रतियोगिता सम्पन्न होने के उपरान्त मण्डल स्तर पर प्रतिभाग हेतु सभी कलाकारों के बीच से निर्णायक समिति द्वारा उत्कृष्ट कलाकारों का चयन किया जाएगा। इन्हीं कलाकारों को मण्डल स्तर पर भेजा जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि बैनर काफी बडे साइज का बनवाया जायें। सभी विधाओं में विद्यालयों एवं अन्य क्षेत्र के कलाकारों में पृथक-पृथक प्रतियोगिताएं आयोजित करायी जायें। विद्यालय एवं ब्लॉक स्तर पर अच्छे प्रतिभागिओं का चयन किया जाये। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि अपने स्तर से निर्णायकों का चयन करते हुए उन्हें समय से अवगत कराये जिससे युवा उत्सव कार्यक्रम समय से सम्पन्न करायी जा सकें। युवा कल्याण महानिदेशालय से प्राप्त धनराशि 60,000 रुपये का व्यय इसी कार्यक्रम में किया जायेगा। अन्य स्तर पर प्रतिभागियों का चयन स्वैच्छिक सहयोग से किया जाएगा। जिला सूचना अधिकारी द्वारा उक्त कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार कराने को कहा गया। किसी निर्णायक की अनुपस्थिति मे वैकल्पिक व्यवस्था की वहाँ उपस्थित कला विधाओं में से किसी को कार्य सौपने की जिम्मेदारी का निर्वहन प्रभारी नोडल द्वारा किया जाएगा। जिला युवा कल्याण अधिकारी द्वारा कार्यक्रम अच्छी तरह एवं कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने के निर्देश दिये गये।

न्यूज ब्रीफ

दस हजार का इनामिया पकड़ा

ललितपुर। वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान में जाखलौन पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 77/2024 धारा 323, 504, 506, 325 आईपीसी व 3(1)द,ध, 3(2)(व्ही)एस.सी.एस.टी. एक्ट में 10 हजार रुपये के इनामिया 01 वांछित अभियुक्त ग्राम जामुनधाना कलां निवासी डैनी राजा उर्फ राजा परमार पुत्र कलेक्टर राजा को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि डैनी राजा के खिलाफ पूर्व में आधा दर्जन से अधिक मामले भी दर्ज हैं। बदमाश को पकड़ने वाली पुलिस टीम में संजय सिंह, सर्वेश कुमार शामिल रहे।

भैंस को पानी पिलाने पर गरियाया

ललितपुर। स्टेट बैंक के पीछे रहने वाली राजकुमारी पत्नी रामचरण कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि रविवार की शाम करीब साढ़े सात बजे उसका नाती नीरव अपने घर पर पालतू भैंसों को पानी पिला रहा था। तभी अचानक से शहनाज बानो उर्फ संजना सिंह, उसकी पुत्री व एक अज्ञात व्यक्ति साथ में आया और भैंस को अलग करने की बात कहते हुये कहा कि सड़क किसी के बाप की नहीं है। शहनाज ने साथ में मौजूद अज्ञात लड़के से लोहे की रॉड उठाकर लाने की बात कहते हुये गालियां दीं। विरोध करने पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। पुलिस ने महिला की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

आधार कार्ड संशोधित कराने गये पिता-पुत्र को होमगार्ड ने पीटा

ललितपुर। आधार कार्ड संशोधन कराने पहुंचे लोगों से मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। होमगार्ड पर पिता पुत्र की मारपीट करने का आरोप लगा है।

ग्राम सौजना निवासी सुरेश पुत्र हिम्मत ने एडीएम को दिये शिकायती पत्र में बताया कि सोमवार को अपराह्न करीब 1 बजे बलराम उर्फ बल्लू किसरदा निवासी होमगार्ड है, जो कि महरौनी में तैनात है। बताया कि उक्त होमगार्ड किसी व्यक्ति की आधार कार्ड बनाने के दौरान मारपीट कर रहा था। जब उसके पुत्र रवि को उत्तेजित होकर उसने गालियां दी और मारपीट करने लगा तो वह पुत्र को बचाने पहुंचा। इस दौरान होमगार्ड ने उसके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि होमगार्ड लोगों से रुपये वसूल रहा था। होमगार्ड ने पीड़ित द्वारा बनाये गये वीडियो वायरल करने पर जान से मारने की धमकी दी है।

प्रेशर हॉर्न/अवैध हूटर्स के किये गये चालान, यातायात पुलिस ने किया जागरूक

ललितपुर। यातायात माह नवम्बर के चौथे दिन मंगलवार को डीएम सत्य प्रकाश, एसपी मो.मुश्ताक के संयुक्त निर्देश, एएसपी कालू सिंह व सीओ यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में शहर भर में प्रेशर हॉर्न और अवैध हूटरों के खिलाफ सख्ती से अभियान चलाया गया। यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने अपने साथ टीएसआई अब्दुल नफीस, टीएसआई साकेब हाशमी के साथ शहर के विभिन्न चौराहों पर जांच करते हुये ऐसे वाहनों को चिह्नित कर लोगों को जागरूक भी किया और कार्यवाही की। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। तेज प्रेशर हॉर्न को मौके पर ही जब्त किया गया। बताया कि मोटर वाहन अधिनियम, 2019 के तहत प्रेशर हॉर्न लगाना गैरकानूनी है। पुलिस ध्वनि स्तर मापने के लिए डेसिबल मीटर का उपयोग कर रही है। बताया कि प्रेशर हॉर्न और अन्य अवैध हूटर्स अत्यधिक शोर उत्पन्न करते हैं जो ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसका खराब असर होता है। बताया कि अवैध मॉडिफिकेशन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए हानिकारक है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकारों को अनाधिकृत हूटर और स्ट्रोब लाइट पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है।

बल्क ड्रग फार्मा पार्क के निर्माण को गति दें : सत्यप्रकाश

ललितपुर। सैदपुर बल्क ड्रग पार्क का अवलोकन करते डीएम-एडीएम।

ललितपुर। ग्राम सैदपुर में निर्माणाधीन देश के सबसे बड़े बल्क ड्रग फार्मा पार्क के कार्यों को गति देने के लिए मंगलवार को जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने राजस्व, यूपीसीडा, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग व विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि 1472 एकड़ क्षेत्रफल में बनने वाला यह बल्क ड्रग फार्मा पार्क देश का ऐसा सबसे बड़ा पार्क है। इसमें निवेश के लिए औद्योगिक कम्पनियां रुचि लेने लगी हैं, इसके परिणामस्वरुप अब तक 5 भूखण्ड औद्योगिक इकाईयों के लिए आवंटित किये जा चुके हैं। कई बड़ी कम्पनियों से एमओयू पूरे हो चुके हैं। जल्द ही जिले की पहचान फार्मा क्षेत्र में हो जायेगी। जिलाधिकारी ने निर्माण स्थल पर चल रहे निर्माण कार्यों को देखा। आउटर साईनेज/साइट मैप का अवलोकन किया और फार्मा पार्क के टेविल थ्रीडी मॉडल को देखा। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री जी की संकल्पना के अनुरूप यहां विकास किया जा रहा है। प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ हो गया है। यहां राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र सैदपुर में पशुपालन विभाग के स्वामित्व वाली भूमि रकबा-2000 एकड़ में से 1472.33 एकड़ भूमि यूपीसीडा को नोडल एजेन्सी नामित करते हुए पूर्व में ही हस्तानान्तरित की जा चुकी है। 350 एकड़ भूमि पर प्रथम चरण में एडमिन भवन, कम्पाउंड पैनल वॉल, फैंसिंग वॉल, सड़क, 2 प्रवेश द्वार, ट्रक पार्किंग, इलैक्ट्रिक ट्रेंच, यूपीपीसीएल द्वारा विद्युत सब स्टेशन, लोक निर्माण विभाग द्वारा 4 लेन रोड, बिजली के खंभों को शिफ्टिंग, विद्युत लाइन डाले जाने तथा वन विभाग द्वारा पेड़ कटान का कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि विकास कार्यों में आ रही बाधाओं को आपसी सामन्जस्य के साथ दूर करते हुए तेजी से कार्य पूर्ण कराया जाए। कहा कार्मिकों के स्किल डेवलपमेंट के लिए यहां पर प्रशिक्षण संस्थाओं को शामिल किया जाए। ताकि स्थानीय कार्मिकों को यहीं प्रशिक्षित किया जा सके। मौके पर श्रमिकों के लिए बनाये गए श्रमिक सुविधा केन्द्र को भी देखा, जहां श्रमिकों को विश्राम की सुविधा मिलेगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव, वन विभाग, यूपीसीडा, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ परखा निर्माण स्थल का हाल

गुरू नानक देवजी का प्रकाश पर्व आज

हजूर साहब नांदेड़ से आये ज्ञानी जत्थे ने किया कीर्तन

ललितपुर। प्रकाश पर्व पर कीर्तन गाता रागी जत्था।

ललितपुर। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्रीगुरु सिंह सभा के तत्वाधान में चल रहे गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर्व की खुशी में आज दसवें दिन हजूर साहब नांदेड़ से पधारे ज्ञानी गुरबचन सिंह ने गुरबाणी कीर्तन कथा द्वारा संगत को निहाल किया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव अपितु सिखों के ही नहीं सब धर्म के गुरु थे। उन्होंने उपदेश दिया था कि अवल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे एक नूर ते सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे यानी कि हम उसे ईश्वर की उस भगवान की संतान है हम नीचे आकर धर्म में बट गए हैं ऊपर से तो हम इंसान बनकर ही पैदा हुए हैं। इस दौरान निशान साहिबजी के चोले की सेवा सरदार मंजीत सिंह, परविंदर सिंह सलूजा व सरदार मनिंदर सिंह मंगे परिवार द्वारा हुई। लंगर की सेवा स्त्री साध संगत व सुरजीत सिंह काके द्वारा हुई। गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर्व पर सुबह श्रीअखंड पाठ साहिब का समापन सरदार मनिंदर सिंह द्वारा होगा। उपरांत ज्ञानी दलजीत सिंह व ज्ञानी ईश्वर सिंह ने गुरबाणी कीर्तन कथा द्वारा संगत को निहाल करेंगे। उपरांत हजूर साहिब नांदेड़ से पधारे रागी जत्था ज्ञानी गुरबचन सिंहजी द्वारा गुरुबाणी कीर्तन सुबह व शाम को भी होगा। रात में भव्य आतिशबाजी का प्रदर्शन भी होगा। इस दौरान अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा, महामंत्री सुरजीत सिंह सलूजा, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह छतवाल, मंत्री मनजीत सिंह पत्रकार, चरणजीत सिंह, वीरेंद्र सिंह बीके, मनिंदर सिंह, जगजीत सिंह बॉबी, सतनाम सिंह भाटिया, परमजीत सिंह एड., अरविंद सिंह सागरी, पलविंदर सिंह, हरकीरत सिंह, गुरमुख सिंह, हरजीत सिंह, गौरव सिंह, सुरजीत सिंह, दलजीत सिंह, डा.जे.एस.बक्शी, बिंदु कालरा, जसविंदर कौर सलूजा, गुरचरण कौर सलूजा, डा.हरजीत कौर, मनजीत कौर, अमरजीत कौर, जगजीत सिंह परमार, ज्ञानी गुरुचरण सिंह, सतनाम सिंह डिंपी आदि मौजूद रहे।

'उपजा' के सदस्य बने कपिल पुलैया, पीयूष अवस्थी और अनुराग कुशवाहा

ललितपुर। बैठक में संगठन पर विचार करते पदाधिकारी

ललितपुर। उत्तर प्रदेश जनरलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन उपजा की जिला इकाई की बैठक ग्राम रजवारा में सम्पन्न हुई। अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष धर्मसिंह ने की। मुख्य अतिथि मनोज तिवारी ने कहा कि संगठन को हर हाल में मजबूत करना होगा।

जिलाध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा ने कपिल पुलैया, पीयूष अवस्थी और अनुराग कुशवाहा को संगठन की सदस्यता ग्रहण कराई। तहसील अध्यक्ष ने प्रस्ताव पढ़कर सुनाया। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता को किसी भी राजनीतिक दायरे से ऊपर रखकर जनता की आवाज बनना ही सच्चे पत्रकार का कर्तव्य है। पदाधिकारियों ने तहसील स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और पत्रकार हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में उपाध्यक्ष शिखरचंद्र जैन, संरक्षक सुनील त्रिपाठी, संरक्षक अजय उपाध्याय, संगठन मंत्री सुरेंद्र पस्तोर, जिला महामंत्री अजय प्रताप सिंह तोमर, तहसील संरक्षक कन्हैयालाल विश्वकर्मा, संयोजक शरद सोनी, बहादुरसिंह राजपूत, सहसंयोजक अवतार सिंह यादव, जितेंद्र यादव, संतोष कुमार, राहुल राज, कपिल कुमार, महामंत्री मनोज कुमार, इंद्रपाल सूर्यवंशी, सुनील कुशवाहा उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती

विहान आवासीय विद्यालय में जनजातीय गौरव पखवाड़े के तहत चल रहे कार्यक्रम

ललितपुर। जनजातीय गौरव और स्वतंत्रता संग्राम के महान प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में, श्रम विभाग के वित्तपोषित समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विहान बालिका आवासीय विद्यालयमें 1 से 15 नवंबर तकविविध कार्यक्रमों का आयोजन चल रहा है। ?इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विद्यालय कीछात्राओं में राष्ट्रभक्ति, आत्म-गौरव और समाजसेवा की भावना का विकास करना है।

इसके लिये विद्यालय की होनहार छात्राओं द्वारा आयोजित रंगोली प्रतियोगिता से शुभारंभ किया गया। छात्राओं ने भगवान बिरसा मुंडा का आकर्षक पोस्टर बनाया और चित्रों के माध्यम से उनके जीवन संघर्ष, जंगलों की आजादी की लड़ाई और आदिवासी गौरव को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। निबंध प्रतियोगिता और कला प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान विद्यालय की वार्डन सावित्री ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन परिचय की जानकारी दी। हिंदी शिक्षिका अंकिता, विज्ञान शिक्षिका जागृति, गणित शिक्षिका आकांक्षा, शारीरिक शिक्षिका प्रियंका, कम्प्यूटर शिक्षिका अभिलाषा तथा लेखाकार नेहा ने भी बच्चों को बिरसा मुंडा के महान योगदान और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के बारे में बताया।

देर रात गश्त पर निकले डीएम-एसपी

ललितपुर। पैदल गश्त करते डीएम-एसपी।

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने सदर कोतवाली क्षेत्रातंर्गत शहर भर में पैदल गश्त कर भ्रमण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान शहर क्षेत्र में व्यापारियों व आमजनमानस से संवाद कर रोड़ पर अवैध अतिक्रमण हटवाने के लिए नगर पालिका ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी सदर व क्षेत्राधिकारी सदर को निर्देशित किया गया। थाना कोतवाली क्षेत्र में निर्धारित स्थानों पर लगे पिकेट व डायल-112 पर तैनात पुलिस कर्मियों को प्वाइंट स्थलों की जांच की गयी। मौके पर डीएम-एसपी ने दो व चार पहिया वाहनों की चेकिंग कर वाहन चालकों को हेल्मेट, सीट बेल्ट लगाने के लिए भी जागरूक किया। पैदल गस्त के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों व आमजन से संवाद कर रोड़ पर अवैध अतिक्रमण को स्वेच्छा से हटाने हेतु कहा, जिस पर व्यापारियों ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की सहमति देते हुये प्रशासन के इस अभियान में सहयोग का आश्वासन दिया। डीएम-एसपी ने थाना, चौकी प्रभारी कोतवाली व यातायात प्रभारी को निर्देशित किया गया कि विशेष अभियान चलाकर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे किए जा रहे अवैध अतिक्रमणों को हटवाएं और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखें। कहा कि अतिक्रमण न केवल आमजन के आवागमन में बाधा उत्पन्न करता है बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ाता है। अधिकारियों ने छोटे दुकानदारों एवं ठेला-रेहड़ी वालों को सड़क से किनारे निर्धारित स्थान पर दुकान लगाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं थाना/चौकी प्रभारी कोतवाली को रात्रि में नियमित रूप से सदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों की चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया। यातायात प्रभारी को शहर के प्रमुख चौराहों, तिराहों पर, दो व चार पहिया वाहन चालकों की नियमति रूप से चैकिंग कर, वाहन चालकों, आमजनमानस को यातायात नियमों के बारे में जागरूक कर यातायात नियमों का पालन कराने हेतु निर्देशित किया गया।

■ पैदल मार्च कर जाँचा लॉ एण्ड ऑर्डर

प्रस्तावित शहरी विस्तारीकरण योजना स्थल का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। निरीक्षण करते डीएम ।

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) क्षेत्रान्तर्गत कराये जा रहे कार्यो के अन्तर्गत ग्राम बनाडी में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजनान्तर्गत प्रस्तावित देवागंना नगर आवासीय योजना का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के समय मौजूद सचिव साडा ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजनान्तर्गत कुल 11.923 हेक्टेयर क्षेत्रफल में योजना प्रस्तावित की गयी है। जिसके अन्तर्गत शासन 10 करोड रूपए आवंटित किए गये है। वर्ष 2023-24 में शासन द्वारा स्वीकृत 10 करोड रूपए के अतिरिक्त प्राधिकरण निधि से 1.76 करोड रूपए व्यय करते हुए सहमति के आधार पर प्रभावित

कृषकों से 5.43 हेक्टेयर भूमि क्रय की जा चुकी है। प्रस्तावित योजना में कुल 3.142 हेक्टेयर भूमि क्रय प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त परियोजना में ग्राम समाज का कुल क्षेत्रफल 0.131 हेक्टेयर भूमि प्रभावित है, जिसका पुर्नग्रहण कराया जाना है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजनान्तर्गत प्रस्तावित देवागंना नगर आवासीय योजना हेतु कुल 82.61 करोड रूपए प्रस्तावित है। जिसमें कुल 421 आवासीय तथा 4 कमार्शियल प्लाट प्रस्तावित हैं। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया कि देवागंना नगर आवासीय योजना माइक्रो प्लानिंग करते हुए चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम तरौहा में जिला अस्पताल के निकट बनाए जा रहे शॉपिंग काम्पलेक्स का भी जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया। उक्त शॉपिंग काम्लेक्स की कुल लागत 153.33 लाख रुपए प्रस्तावित है। जिसके अन्तर्गत कुल 21 दुकानों का निर्माण कराया जाना है।

बबीता राजपूत ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मायके पक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

चिरगांव(झांसी)। चिरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छिरौना के एक मोहल्ले में सोमवार रात्रि को उस समय हड़कंप मच गया जब 45 वर्षीय बबीता राजपूत ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बबीता को चिरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डाक्टरों द्वारा बबीता राजपूत को मृत घोषित कर दिया गया तो वहीं चिरगांव पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर कानूनी कार्यवाही करने हेतु शव को पोस्टमार्टम के लिए झांसी मेडीकल कॉलेज भेज दिया गया।

वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे मृतिका के मायके पक्ष वालों ने ससुराल वालों पर गम्भीर आरोप लगाए और बताया कि मृतिका बबीता की शादी 22 वर्ष पूर्व चिरगांव के संतरी डेरा से छिरौना गांव निवासी जुगल राजपूत के पुत्र उमेश राजपूत के साथ संपन्न हुई थी। शादी के कुछ वर्ष बाद बबीता के पति उमेश राजपूत की मृत्यु हो गई।उसका एक करीब बीस वर्षीय पुत्र ऋषि भी है। परिजनों ने बताया कि बबीता को लंबे समय से ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित कर रहे थे।बबीता ने आत्महत्या नहीं की बल्कि उसकी ससुराल वालों ने हत्या की है। वहीं मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर उत्पीड़न और मारपीट के गंभीर आरोप लगाते हुए सख्त कार्यवाही की मांग की है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी और तभी हत्या व आत्महत्या की सही जानकारी सामने आयेगी।

रामनवमी महोत्सव को लेकर सनातन शोध संस्थान ने की बैठक

चित्रकूट। बैठक मे रणनीति बनाते संस्थान पदाधिकारी ।

चित्रकूट। सनातन शोध संस्थान के तत्वावधान में आगामी रामनवमी महोत्सव को भव्य मनाने के लिए संस्थान पदाधिकारियों ने मुख्य कार्यालय श्रीरामजानकी मंदिर में बैठक कर रणनीति बनाई। संस्थान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोविंद नारायण त्रिपाठी ने कहा कि चित्रकूट के बेटे और हमारे पूर्वज गोस्वामी तुलसीदास ने पूरे विश्व को श्रीराम कथा से परिचित कराया। चित्रकूट में रामदल निकालने की पुरानी परम्परा रही है। आगामी चौत्र मास की नवमी में श्री राम जन्मोत्सव को भव्यतम स्तर पर आयोजित किया जाएगा। हम चित्रकूट की धरती पर ऐसा आयोजन करना चाहते है कि जिसमें प्रत्येक सनातनी अपना उत्सव समझे और श्रीराम जन्म महामहोत्सव उत्साहपूर्वक मनाए। संस्थान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शानू गुप्ता ने कहा कि रामनवमी के शुभ अवसर पर शहर में भव्य जुलूस निकाला जा सकता है। जिसमें सभी धार्मिक, सामाजिक, जातीय संगठनों को शामिल किया जाएगा। जिला मुख्यालय की प्रत्येक सड़क को स्थानीय बंधुओं की मदद से सजाया जाएगा साथ ही पेंटिंग, रंगोली भी कराई जाएगी।

बैठक में संगठन महासचिव डॉ मनोज द्विवेदी, अश्विनी श्रीवास्तव मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

वारंटी दबोचा

चित्रकूट। थाना मऊ उनि ओमप्रकाश सिंह ने वारण्टी बाला पुत्र रामलाल निवासी कटैया खादर थाना मऊ को गिरफ्तार किया।

गांजा के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

चित्रकूट। पुलिस ने तीन अभियुक्तो को गांजा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थानाध्यक्ष पहाड़ी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्तअजय वर्मा पुत्र शारदा प्रसाद वर्मा निवासी मुंडेरा धूमनगंज प्रयागराज, नरेन्द्र कुमार हेला पुत्र अशोक कुमार, अभियुक्ता प्रभा वर्मा पुत्री शिवदास निवासी ज्ञान भारती स्कूल के पीछे को बैग मे 03 किलो 300 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना पहाड़ी एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम मे उनि श्याम देव सिंह, राजेश कुमार यादव, मुख्य आरक्षी सौरभ यादव, आरक्षी दीपक सिंह, महिला आरक्षी गुड़िया आदि रहे।

श्रम विभाग पंजीयन मे कराये नवीनीकरण

चित्रकूट। सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि बोर्ड द्वारा संचालित किसी भी योजना का लाभ लेने के लिये श्रमिकों का नवीनीकरण कराया जाना अनिवार्य है। बिना नवीनीकरण के किसी भी योजना का लाभ नहीं दिया जा सकता है। निर्माण श्रमिक जनसेवा केन्द्र में नवीनीकरण करा ले। बोर्ड द्वारा वर्ष से अधिक हो चुके है अर्थात 4 वर्ष से अधिक अवधि नवीनकरण लम्बित है तो नवीनीकरण 15 नवंबर तक 15.11.2025 तक अनिवार्य रूप से अपना नवीनीकरण करा ले अन्यथा पंजीयन निरस्त कर दिये जायेगे।

निर्वाचक नामावलियो मे नाम कराये दर्ज

चित्रकूट। उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण गणना अवधि 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 9 दिसंबर तक, दावे और आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि 9 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक, नोटिस चरण (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन), गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक एवं निर्वाबक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 तक है।

स्कूली बच्चो को पानी के महत्व पर दी जानकारी

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल यादव और अधिशासी अभियंता जल निगम आशीष भारती के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन की सेक्टर पार्टनर यूनोप्स के जनपदीय सलाहकार विद्यासागर गुप्ता एवं आइएसए समन्वयक अभिषेक मिश्रा द्वारा विकास खण्ड रामनगर के ग्राम पंचायत छीबो के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों को जल दूत के लिए प्रशिक्षण सहायक अभियंता गुलाम सिबतैन के देखरेख में दिया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का परिचय (नाम, शौक, जीवन का उद्देश्य) कराते हुए, जलदूत अवधारणा का उद्देश्य, जल जीवन मिशन का उद्देश्य, स्वच्छ पेयजल, दूषित पेय जल के दुष्प्रभाव, पर विस्तृत जानकारी देते हुए, जल संरक्षण विषयों के समझ के लिए साँप-सीढ़ी खेल खेलाया गया।

अमृतांश अग्रवाल बने सीए परिवार मे खुशी

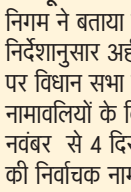

चित्रकूट। शहर के पुरानी बाजार निवासी अमृतांश अग्रवाल ने मात्र 22 साल की उम्र मे प्रथम प्रयास में सीए की परीक्षा पास कर धर्मनगरी का नाम रोशन किया है।

जानकारी के अनुसार रिटायर ग्रामीण बैंक के मैनेजर सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल के पुत्र अमृतांश अग्रवाल सीए परीक्षा उत्तीर्ण मे अपनी सफलता का श्रेय माता अंजू अग्रवाल और पिता को दिया है। उन्होने बताया कि बिना माता पिता के आशीर्वाद के कोई पुत्र अपने लक्ष्य को नहीं प्राप्त कर सकता है साथ ही उसने कहा कि प्रत्येक छात्र को प्रारंभ से ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। इस सफलता पर परिवार में खुशी की लहर है।

युवा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का राजकीय महाविद्यालय में आयोजन

जनप्रतिनिधियो ने किया शुभारंभ, साइंस मेले मे लगे स्टाल देखे

चित्रकूट। कार्यक्रम मे मंचासीन जनप्रतिनिधि ।

चित्रकूट। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा युवा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं साइंस मेला कार्यक्रम गोस्वामी तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेडी पुलिया में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद आरके पटेल, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, प्रधानाचार्य गोस्वामी तुलसीदास महाविद्यालय ने किया।

मुख्य अतिथि जिपंअ अशोक जाटव ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सहभाग साइंस मेला होना बहुत ही महत्वपूर्ण है इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों का मनोरंजन होता है और उनका कैरियर वा उनके अंदर की प्रतिभा, कौशल निकल कर आता है। प्राचार्य डा0 पाल ने कहा जिन प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया है वह सभी मेरे लिये विजेता है। प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना है ही बहुत बडी बात हैं। सांइस मेला माडल प्रतियोगिता में अजीत सिंह एवं समूह प्रथम, तैयबा द्वितीय, शिवम सिंह एवं समूह तृतीय रहीं। भाषण प्रतियोगिता में सृष्टि प्रथम, अनन्या द्विवेदी द्वितीय, कविता लेखन में खुशी प्रथम, सुभाषिनी द्वितीय एवं सविता तृतीय रहीं। लोकगीत समूह वा कहानी में सुभाषिनी प्रथम, पंकज द्वितीय , हर्षिता केशवानी तृतीय, लोकगीत समूह में रूपा एवं टीम प्रथम, विशालाक्षी एवं टीम द्वितीय, नेहा एवं टीम तृतीय रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता मे आयुषी शुक्ला प्रथम, रज्जू द्वितीय, आवेश सिंह तृतीय, लोकनृत्य समूह में विकास एवं समूह प्रथम, शिवानी एवं समूह द्वितीय, सपना एवं समूह तृतीय रहीं। सभी विजेता प्रतियोगियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। प्रतिभागियों द्वारा दिवारी नृत्य की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। जिला युवा कल्याण अधिकारी शैलेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि जो प्रतिभागी यहां पर प्रथम आये हैं वह मण्डल प्रतियोगिता के लिये तैयारी करें। कार्यक्रम का सफल संचालन डा0 वंश गोपाल ने किया। इस अवसर पर डा0 सीमा कुमार, डा0 अमित सिंह, डा0 नीरज गुप्ता, डा0 राजेश पाल, डा0 धर्मेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अखण्ड प्रताप यादव, उदयभान, खेल शिक्षक श्रीकेशन, श्यामसुन्दर यादव, कनिष्ठ लिपिक सिद्धार्थ निगम आदि मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की तैयारी को लेकर छात्राओं को दिशा निर्देश दिए

गुरसरांय। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की तैयारी को लेकर खेर इंटर कॉलेज बालिका विभाग में छात्राओं को दिशा निर्देश दिए गए। शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा पूरे देश में 17 नवंबर को आयोजित होने वाली भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के बारे में बताते हुए गायत्री परिवार के संयोजक सतीश चौरसिया एडवोकेट एवं अलख प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस परीक्षा को अवश्य दें, जिससे आपको भारतीय संस्कृति का ज्ञान हो सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रबंधक मनोहर राव नेवालकर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामनारायण पस्तोर, आत्माराम फौजी उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष पंडित देवेश पालीवाल ने की । कार्यक्रम का संचालन बालिका विभाग प्रभारी कैलाश प्रकाश गुप्ता ने किया अंत में आभार व्यक्त प्रवक्ता राजेश चंद्र ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी,डॉ विवेक मुदगल, उपमा सिंह,राजेन्द्र प्रसाद,प्रदीप सोनी,अर्चना मोदी,सुनील व्यास,सरजू शरण पाठक,अमित भदौरिया, संजय दोन्दे रिया,मंजू वर्मा,सुरभि पटेल,वर्षा विश्वकर्मा, राम सेवक गौतम,राकेश व्यास,सौरभ अग्रवाल, अशोक आर्या कौशलेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान व ग्राम वासियों ने चतुर्थ दण्ड वत यात्रा के लिए मंशाराम चौधरी को किया रवाना

गुरसरांय। ग्राम पंचायत नागर से मंसाराम चौधरी चतुर्थ दंडवत यात्रा नागर से रतनगढ़ माता मंदिर के लिए आज निकले जिसमें उनके साथ बृजपाल सिंह युवा सामसेवी,यशपाल, सौरभ, गिल्ली चौधरी साथ गए,समस्त ग्राम वासियों ने फूल बरसा कर स्वागत किया तथा सकुशल लौटने की और उनकी यात्रा पूर्ण होने की कामना की जिसमें गांव की महिलाओं ने संकीर्तन कर गांव के बाहर तक छोड़ने गई और सभी में मंगल गीत गाकर गांव परिक्रमा कर माता रानी के दरबार में जाने के लिए रवाना किया इस मौके पर ग्राम प्रधान नगर अनुज कुमार द्विवेदी, अशोक चौधरी, धनप्रकाश चौधरी, बृजपाल सिंह युवा सामसेवी, शीतल श्रीवास, उज्जी श्रीवास, मुन्ना चौधरी, चेतराम टेलर्स, जयपाल, रामकुमार , देशराज, रामलाल, हरदयाल चौधरी,कालीचरण, भूपेंद्र चौधरी, मनोज शर्मा, छत्रपाल, पूरन, भरोसे चौधरी, राधे, मौजीलाल, कैलाशपाल, परशुराम, लक्षण पटवा, अशोक कुशवाहा, रतिराम चौधरी, अभिषेक चौधरी, ब्रगभान,बाबू, शनि, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

मऊरानीपुर । एक रात में आधा दर्जन चोरियों की।

पुलिस को चोर दे रहे खुला चैलेन्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) कोतवाली में नये कोतवाल की तैनाती क्यों न कर दी गयी हो लेकिन अपराध पे अपराध धड्ल्ले से कोतवाली क्षेत्र में बराबर देखने को मिल रहे है। जिसमें इस समय चोर बदमाशों के हौसले कुछ ज्यादा ही बुलन्द देखने को मिल रहे है। जो एक के बाद एक घटना को अंजाम दे रहे है। और कोतवाली पुलिस को खुला चैलेन्ज दे रहे है। जिसमें लगातार चोरी की घटनायें सामने आ रही है। लेकिन कोतवाली पुलिस को अभी तक कोई भी सफलता हासिल नही हुयी है। बता दे कि इस समय कोतवाली क्षेत्र में चोर बेखौफ हो गये है। जिसमें एक के बाद एक चोरी की घटनाओं को चोर अंजाम देने में लगे हुये है। जिसमें एक ही रात में आधा दर्जन चोरियों की घटना को अज्ञात चोरों ने अंजाम दिया। जिसमें नगर मऊरानीपुर के मुहल्ला कुरैचानाका से मनीष चतुर्वेदी, हरी ताम्रकार, अशोक साहू, नन्दराम साहू, मनीष ताम्रकार और ज्योति सोनी के घरों में चोरी हुयी। जिसमें इन सभी ने बताया कि उनके घरों से सोने चाँदी के जेवरात, नकदी , मोबाईल फोन एवं पीतल की मूतियाँ चोरी हुयी है। जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुँची पुलिस ने जाँच पडताल शुरु कर दी है। वही पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पूर्ण रुप से धडाम स्थिति में देखने को मिल रही है। इससे नगर में चोरों के हौसले काफी बुलन्द स्थिति में बने देखे जा रहे है। वही दूसरी चोरी की घटना कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम बुखारा से सामने आयी जहाँ विगत रात्रि रिटायर्ड होमगार्ड पंचम लाल अहिरवार की पाँच बकरी अज्ञात चोर कार में भर कर ले गये। जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुँची पुलिस ने जाँच पडताल शुरु कर दी है। वही तीसरी चोरी की घटना तब घटित हुयी जब नगर का मुख्य तिराहा अम्बेडकर के पास बने ठेका से दो टप्पेबाज चोर बदमाशों ने एक बाईक को निशाना बनाया। जिसमें अनमोल कॉलोनी मऊरानीपुर निवासी बृजेश यादव ने कोतवाली प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह रेलवे में कार्य करता है। जो अम्बेडकर तिराहे के आगे ठेका के पास अपनी बाईक खडी कर सामान लेने चला गया। वापस आने पर उसकी बाईक गायब मिली। जिसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता न चल सका। जिसका सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति बाईक लेकर जाता हुआ तो दूसरा उसका साथ देते व्यक्ति देखने को मिल रहा है। जिसको लेकर पुलिस से कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही करने की माँग की गयी।

पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ ब्यानबाजी करने पर कथित व्यक्ति के खिलाफ हिन्दू समाज में रोष

मऊरानीपुर (झाँसी) सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति व नेता द्वारा श्री बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ अलग-अलग ब्यान बाजी करने को लेकर रोष जाहिर करते हुये दर्जनों लोगों ने राष्ट्रपति को सम्बोधित हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन तहसीलदार मऊरानीपुर को सौंपा गया। जिसमें उक्त व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्यवाही की माँग की। ज्ञापन में बताया गया कि श्री बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री सनातन हिन्दू जोडों पदयात्रा का शुभारम्भ दिल्ली से कर रहे है। यह यात्रा श्री वृन्दावन धाम बाँके बिहारी मन्दिर तक जायेगी। सनातन हिन्दू जोडों पदयात्रा को लेकर ग्वालियर निवासी एक कथित व्यक्ति मिथ्या आरोप लगाकर यात्रा में व्यवधान डालने का प्रयास लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से कर रहा है। तथा पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के मान सम्मान स्वाभिमान पर आघात पहुँचा रहा है। करोडों व्यक्तियों के आस्था के प्रतीक पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ मनगढंत टिप्पणी से समूचा हिन्दू समाज में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में अरविन्द कुमार सोनी, अश्विनी कुमार अग्रवाल, दीनदयाल साहू, दीनदयाल रैकवार, रवि कुमार, मयंक द्विवेदी, राज पटैरिया, अभिषेक पाठक, आदित्य कुशवाहा, अखिलेश राज, रमेश खरया, मनमोहन साहू, वेदान्त पटैरिया, पुराण पांचाल, दीप साहू, सोनू शर्मा सहित भारी संख्या में युवाओं के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन के माध्यम से उक्त कथित व्यक्ति के खिलाफ कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही की माँग की गयी।

शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं एंव छात्र छात्राओं को किया जा रहा जागरूक

शाहजहांपुर (मोंठ)। मोंठ तहसील के थाना शाहजहांपुर क्षेत्र में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय झांसी के दिशा निर्देश में मिशन शक्ति अभियान फेस 5.0 के तहत थाना शाहजहांपुर की मिशन शक्ति टीम व एंटी रोमियो टीम द्वारा पद्मजा जूनियर पब्लिक स्कूल पाण्डौरी थाना शाहजहांपुर में जाकर ,नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान ,नारी स्वावलंबन के तहत महिलाओ को सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पूर्व दर्शन छात्रवृत्ति योजना,मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि योजनाओं के बारे में तथा विभिन्न आकस्मिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 102, 108, 112, 1076, 1098, 1930 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।उनकी समस्याओं को सुना गया परंतु किसी के द्वारा कोई भी समस्या नहीं बताई गई एवं उनकी सुविधा हेतु पिंक कार्ड भी वितरित किए।इस मौके पर उपनिरीक्षक मिथलेश कुमार सहित महिला कांस्टेबल व मिशन शक्ति टीम व एंटोरोमियों टीम मौजूद रही।

गुरुनानक जयन्ती समारोह आज

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री गुरुनानक दरबार ट्रस्ट (रजि.) के संस्थापक /प्रबन्धक /सचिव दिया लालवानी एवं अध्यक्ष/प्रधान विनोद लालवानी ने संयुक्त रुप से बताया कि आज 5 नवम्बर को गुरुनानक जयन्ती समारोह हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें प्रातः 7 बजकर 30 मिनट पर महाआरती, प्रातः 8 बजे नगर कीर्तन, प्रातः 10 बजे श्री सुखमनी साहिब पाठ, दोपहर 12 बजे भोग साहिब, दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक लंगर, रात्रि 9 बजे से कीर्तन वाणी, रात्रि 12 बजे से जन्मोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न होगें।

धान खरीद में बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए, किसानों को समय पर भुगतान हो: मुख्यमंत्री

- स्नान पर्वों और मेलों के सकुशल आयोजन के लिए स्वच्छता, सुरक्षा और सतर्कता हो तैयारियों का आधार
- प्रत्येक श्रद्धालु की सुविधा और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता
- संवेदनशील स्थलों पर 'रील' बनाने वाले पुलिसकर्मियों की तैनाती पर रोक

झाँसी जयूसं। मुख्यमंत्री का पुलिस को निर्देश, सार्वजनिक स्थलों पर अराजक-अवांछनीय तत्वों की उपस्थिति न हो, बढ़ायें चौकसी, कड़ी कार्रवाई हो।

कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली और विभिन्न मेलों की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की गहन समीक्षा। स्नान घाटों पर प्रकाश, सीसीटीवी, फ्लोटिंग बैरियर और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। गो-आश्रय स्थलों में सुधार और मानदेय कर्मियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। विकसित उत्तर प्रदेश 2047' अभियान में अब तक मिले 72 लाख से अधिक सुझाव, जनभागीदारी से बनेगा विकास का रोडमैप। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि आगामी पर्व-त्योहारों और मेलों के अवसर पर प्रदेश में-स्वच्छता सुरक्षा और सतर्कता- सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना का कार्य है। प्रत्येक श्रद्धालु की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना हर अधिकारी का दायित्व है। भीड़ प्रबंधन और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि स्नान घाटों, मेलों और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर अराजक या अवांछनीय तत्वों की उपस्थिति किसी भी दशा में न होने पाए। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि माहौल पूर्णतः शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धाभाव से भरा रहे। मुख्यमंत्री नेसोमवार देर रात प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, आगामी त्यौहारों की तैयारियों, धान खरीद और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और शासन स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली, गुरु नानक जयंती, ददरी मेला (बलिया) और गढ़मुक्तेश्वर मेला (हापुड़) जैसे आयोजनों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों पर लाखों श्रद्धालु घाटों और मेलों में पहुंचते हैं, ऐसे में भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। घाटों पर पर्याप्त प्रकाश, फ्लोटिंग बैरियर, सीसीटीवी कैमरे, स्वास्थ्य उपकेंद्र, मोबाइल टॉयलेट, खोया-पाया केंद्र और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों का जलस्तर अभी ऊँचा है और प्रवाह तेज है, इसलिए स्नान घाटों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। उन्होंने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की सक्रिय तैनाती के निर्देश देते हुए कहा कि बिना लाइफ जैकेट के कोई भी नाविक या पर्यटक बोटिंग न करे। काशी में देव दीपावली, अयोध्या, प्रयागराज, हापुड़, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बदायूं और बलिया जैसे जिलों में सर्वाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर ली जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थलों पर ड्यूटी के दौरान 'रील' बनाने वाले पुलिसकर्मियों की तैनाती कतई न की जाए, ताकि जनसेवा के कार्य में अनुशासन और मर्यादा बनी रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि धान खरीद की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रहे और किसानों को असुविधा न हो। किसी भी स्तर पर बिचौलियों की भूमिका स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि खाद एवं उन्नत बीजों की पर्याप्त उपलब्धता हर जनपद में सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने हाल की वर्षा से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वेक्षण कर बिना विलम्ब क्षतिपूर्ति का भुगतान नियमानुसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को मुआवजे के लिए किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

अवैध खनन, मुख्यमंत्री ने अपना कड़ा रूख

अवैध खनन को लेकर मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि विशेष टीम गठित कर औचक निरीक्षण कराए जाएं। यदि किसी भी क्षेत्र में अनियमितता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

गौ आश्रय स्थलों का डीएम करें निरीक्षण

मुख्यमंत्रीने निराश्रित गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिलाधिकारी स्वयं इन स्थलों का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक गोवंश को चारा-पानी और चिकित्सा की समुचित सुविधा मिले। उन्होंने आशा, आंगनबाड़ी, रसोइया तथा मानदेय पर कार्यरत कर्मियों को हर माह समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

विकसित उत्तर प्रदेश अभियान की सीएम ने की समीक्षा

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नेविकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 72 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। जौनपुर, गाजीपुर, हरदोई, प्रतापगढ़, बिजनौर, गोरखपुर, बरेली, सोनभद्र और गोंडा सहित कई जिलों से लोगों ने विकास के उपयोगी विचार साझा किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए ताकि उत्तर प्रदेश के विकास का रोडमैप जनता के सुझावों से और सशक्त बने।

इस अवसर पर झांसी एनआईसी में मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे,आईजी आकाश कुलहरी, जिलाधिकारी मृदुल चौधरी, एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति, सीडीओ श्री जुनैद अहमद सहित

न्यूज ब्रीफ

जूही में संरक्षा संवाद का आयोजन

झांसी जयूसं। मुख्य क्रू नियंत्रक कार्यालय जूही में संरक्षा संवाद का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य क्रू नियंत्रक जूही, तीन मुख्य लोको निरीक्षक 20 लोको पायलट वा 18 सहायक लोको पायलट उपस्थित रहे। संरक्षा संवाद में मॉडिफाइड ऑटोमेटिक सिग्नल सिस्टम तथा अमेंडमेंट स्लिप 83 कोहरे के दौरान संरक्षित गाड़ी संचालन, दुर्घटना के समय इंजन कर्मीदल के कर्तव्य एवं बचाव के संबंध में काउंसिल करने, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां पर चर्चा की गई ।

ऑल इंडिया आरपीएफ एंटीसोबटेज चेक प्रतियोगिता में एनसीआर को मिला दूसरा स्थान

झांसी जयूसं। रेल सुरक्षा बल की ऑल इंडिया एंटीसोबटेज चेक प्रतियोगिता 2025 चेन्नई में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में रुम सर्च ईवेंट में आरपीएफ एनसीआर की टीम को दूसरा स्थान मिला है। टीम में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पोस्ट आरपीएफ के उपनिरीक्षक हरिओम सिकरवार और ग्वालियर आरपीएफ पोस्ट के उपनिरीक्षक रविन्द्र कुमार राजावत रहे हैं। इन दोनों को एक प्रतियोगिता में तीसरा स्थान मिला है।

बुवि.वि .अटल टॉक सीरीज के पोस्टर का विमोचन

झाँसी जयूसं। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में एक माह तक चलने वाले अटल टॉक सीरीज के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो मुकेश पाण्डेय ने किया। अटल टॉक सीरीज उद्घाटन सत्र 10 नवंबर को एवं इसका समापन 10 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। अटल टॉक सीरीज के अंतर्गत एक माह तक विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों में पुरातन छात्र संवाद के अंतर्गत विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों को आमंत्रित किया जाता है जोकि वर्तमान छात्रों के साथ अपने अनुभव और ज्ञान साझा करते है। अटल पोस्टर का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो मुकेश पाण्डेय ने कहा कि पुरातन छात्र किसी भी संस्थान की वास्तविक पूंजी होते हैं और इस अटल लेक्चर सीरीज का उद्देश्य पुराने छात्रों और संस्थान को फिर से जोड़ना, पुरानी यादें ताजा करना, अनुभव साझा करना और वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन देना है। विमोचन कार्यक्रम में कुलसचिव ज्ञानेन्द्र कुमार, एलुमनाई सेल की समन्वयक प्रो. पूनम पुरी, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय परिसर पुरातनछात्र संघ की उपाध्यक्ष प्रो. अपर्णा राज, सचिव डॉ.संजीव श्रीवास्तव, प्रो सौरभ श्रीवास्तव, प्रो काव्या दुबे, डॉ. अनुपम व्यास, डॉ. अनु सिंघला, डॉ. शशि आलोक, डॉ. प्रियंका चौहान, डॉ. ऋषि सक्सेना, डॉ.शंभू नाथ, डॉ.बृजेंद्र कश्यप, डॉ.मेधा आदि उपस्थित रहे।

ज्वार खरीद : जिला खरीद अधिकारी नामित किए गये अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार जनपद झांसी में 02 ज्वार केन्द्र तहसील गरौठा स्थित रिन मण्डी स्थल बामौर एवं मण्डी स्थल गुरसरांय में खोले गये हैं। खरीफ विपणन पर 2025-26 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के तहत मोटे अनाज ज्वार खरीद के सतत् अनुश्रवण, पर्यवेक्षण एवं सफल क्रियान्वयन हेतु अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, झांसी सी.यू.जी. नं0-9454417618 को जिला खरीद अधिकारी नामित किया जाता है। अपर जिलाधिकारी समय-समय पर ज्वार खरीद के सम्बन्ध में शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरुप जनपद में ज्वार खरीद का कार्य सम्पन्न करायेंगे।

09 नवम्बर को नगर के 20 केंद्रों पर आयोजित होगी उ.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग आयोजित परीक्षा

- वन रक्षक एवं वन्यजीव रक्षक मुख्य परीक्षा-2025 को सुचिता के साथ संपन्न कराने हेतु अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने दिया प्रशिक्षण
- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित परीक्षा में ए.आई. का इस्तेमाल हो रहा है, परीक्षा के दौरान सभी सतर्क रहे
- नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर 01 पाली प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा में 8544 परीक्षार्थी होंगे सम्मिलित
- नकलविहीन,सुचिता और शान्तिपूर्ण तरीके से परीक्षा को सम्पन्न कराया जाना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता
- परीक्षा के दौरान सभी स्टेटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर ही रहेंगे मुस्तैद

झांसी जयूसं। नोडल अधिकारी /अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में09 नवम्बर 2025 को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित वनरक्षक एवं वन्यजीव रक्षक मुख्य परीक्षा-2025 नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर एक पाली में पूर्वाह्न 10 से 12 बजे तक होगी । बैठक में अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने उपस्थित समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों को प्रशिक्षण देते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनपद में परीक्षा के दौरान नकल किसी भी दशा में बर्दास्त नही होगी। परीक्षा में डुप्लीकेट परीक्षार्थी किसी भी दशा में शामिल नहीं हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए कक्ष निरीक्षक एडमिशन कार्ड की गंभीरता से जांच करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा की सूची बनाए रखने के लिए प्रातः09:30 बजे परीक्षा केन्द्र का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया जाएगा।इससे पूर्व सभी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें। नगर में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा वनरक्षक एवं वन्यजीव रक्षक मुख्य परीक्षा - 2025 की लिखित परीक्षा नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी। एक दिवसीय परीक्षा में जनपद में 8544 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। सम्बन्धित सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा की संवेदनशीलता को बताते हुए निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों का सत्यापन सुनिश्चित कर लें ताकि कोई भी कमी ना रहे,साथ ही यह अवश्य देख लें कि परीक्षा केन्द्र में सीसीटीवी कैमरा वॉइस रिकॉर्डर के साथ, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, रैम्प आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर लें। उन्होंने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने एवं परीक्षा को पारदर्शी/ नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु दिए गए प्रशिक्षण में स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्र पर मोबाइल फोन, एंड्राइड फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक गजट परीक्षा केंद्र के अंदर पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा, उन्होंने कहा कि कोई भी कर्मचारी फोन लेकर परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं करेगा। नकल विहीन और स्वच्छता पूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों की तलाशी सावधानीपूर्वक ली जाए, उन्होंने विशेष रूप से महिला परीक्षार्थियों की तलाशी महिला शिक्षिका द्वारा ही लिए जाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उनके सामान को सुरक्षित रखे जाने की निःशुल्क व्यवस्था केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा किए जाने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एसपी ग्रामीण से अनुरोध किया। परीक्षा नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि 09 नवम्बर को जनपद में 20 परीक्षा केंद्रों पर मुख्य परीक्षा प्रस्तावित है। इस परीक्षा में 8544 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। जनपद में अभ्यर्थियों का मूवमेंट होगा। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसलिये रेलवे व परिवहन विभाग के अधिकारी समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की भी व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए।उन्होंने परीक्षा में महिला अभ्यर्थी भी शामिल होंगी, उनकी सुरक्षा के लिये विशेष प्रबंध किये जाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर महिला आरक्षी की तैनाती अवश्य सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में आयोग द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। कक्ष निरीक्षकों की अच्छी तरह से ब्रीफिंग और ट्रेनिंग करा दी जाये। परीक्षा रविवार को हो रही है, इसलिये परीक्षा सामग्री को समय से सेंटर्स पर पहुंचाने की व्यवस्था अभी से कर ली जाये।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित परीक्षा को पूर्ण सुचिता, पारदर्शी एवं नकल विहीन कराए जाने हेतु दिए गए प्रशिक्षण में उपस्थित केन्द्र व्यवस्थापकों/ कक्ष निरीक्षक सहित सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट मजिस्ट्रेट को प्रश्न पत्रों को खोलने, परीक्षा समाप्ति के बाद आंसर सीट की पैकिंग, सीसीटीवी कैमरे की फिक्सिंग, परीक्षा के पूर्व की व्यवस्थाएँ के साथ ही परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री शिव प्रताप शुक्ल ने विशेष बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल,एसपी सिटी सुश्री प्रीति सिंह ,जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रति वर्मा, डीएसओ सुश्री सौम्या अग्रवाल, डीपीओ सुरेंद्र पटेल, प्रधानाचार्य मोहम्मद उस्मान खान नेशनल हाफिज सिद्दीकी इंटर कालेज सहित सैक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य, केंद्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहे।

सिद्धचक्र महामंडल विधान का आज 1024 अर्घ्य समर्पण के साथ हुआ समापन

झांसी जयूसं। गाँधी रोड स्थित श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के 2552वें निर्वाणोत्सव वर्ष व अष्टाह्निका पर्व पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के दौरान अनेकों श्रावक श्राविकाओं ने सिद्ध भगवान की आराधना करते हुए 1024 अर्घ्य समर्पित किए। आरंभ में मंगलाचरण सबिता चौधरी शुभि जैन ने किया, भगवान का अभिषेक मनोज नायक, राकेश वैद्य, पारस जैन, रज्जू अछरौनी ने शांतिधारा चक्रेश चौधरी व हर्ष नायक ने की।

इस अवसर पर विद्वान अनिल बाजा ने सिद्धचक्र विधान की महिमा बताते हुए कहा कि जैनधर्म का यह ऐसा अनुष्ठान है जो आत्मा की शुद्धि, आध्यात्मिक उन्नति और मोक्ष के मार्ग पर ले जाता है। इस विधान के नियमित पूजन से सभी बाधाएं दूर होती हैं, जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

इस अवसर पर मुकेश सिंघई आलोक जैन , रविंद्र , संजय सिंघई, अमित प्रधान, सुरेंद्र, मनोज, आलोक , विजय जैन, जितेंद्र, सुखमाल, सुनील , दिनेश जैन , मनोज सिंघई, आशीष , राजीव रानू, राहुल जैन, ऋतिक जैन, ऋषि , श्रीमती तारादेवी, श्रीमती देवी जैन, सुलेखा नायक, रेखा , सीमा वैद्य, राजेश्वरी, कुसुम जैन, कल्पना , सबिता संजय, अनुपमा, मनीषा, सावित्री, ज्योति सहित अनेकों श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रही। विधान के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाने पर सुलेखा मनोज नायक का सम्मान किया गया।

संपूर्ण अर्घ्यों का वाचन कु. निम्मी व शालू जैन ने मधुर स्वर में किया।

कार्यक्रम का संचालन संजय जैन -कर्नल ने एवं आभार वैद्य सचिन जैन ने प्रकट किया।

प्रत्येक अध्ययनरत विद्यार्थी राष्ट्र सेवा की लिए कार्य करेः शिवा राजे

अभाविप का जिला अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ

झांसी जयूसं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला झांसी पूरब का एक दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग चार सत्रों में संपन्न हुआ जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ध्येय यात्रा का वाहक बनकर राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प लिया

उद्घाटन सत्र में प्रांत मंत्री शिवा राजे बुंदेला ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का उद्देश्य है कि प्रत्येक अध्ययनरत विद्यार्थी राष्ट्रसेवा की लिए कार्य करे क्योंकि परिषद कहता है शिक्षा जीवन के लिए,जीवन वतन के लिए इस मूल मंत्र को सिद्ध करने हेतु विद्यार्थी परिषद असंख्य युवाओं को विद्यार्थी परिषद से जोड़ने के लिए प्रत्येक वर्ष सदस्यता अभियान भी चलाता है। सैद्धांतिक भूमिका सत्र में प्रांत सह मंत्री हर्ष जैन ने कहा आज विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बनकर उभरा है तो वो अपनी कार्यपद्धति और कार्यप्रणाली के वजह से हुआ है परिषद की कार्यशैली इतनी अद्भुत और संस्कार निहित है कि जो विद्यार्थी जुड़ता है तो अपने अंदर एक बड़ा बदलाव महसूस करता है और उस बदलाव से छात्र शक्ति राष्ट्रशक्ति में परिवर्तित होकर समाज की दिशा और दशा बदलने के लिए एक जड़ी बूटी साबित होती है आयाम कार्य गतिविधि सत्र में महानगर उपाध्यक्ष डॉ. रानी शर्मा ने कहा विद्यार्थी परिषद आयामों के माध्यम से सभी क्षेत्र के विद्यार्थियों के बीच कार्य करता है जिससे विद्यार्थी परिषद से जुड़ने हेतु कोई भी विषय का विद्यार्थी वंचित न रहे साथ ही वो अपने विषय में ही उत्कृष्ट बन सके उसके विद्यार्थी परिषद विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है।

समारोह सत्र में सुशांत श्रृंगीऋषि ने कहा वर्तमान परिपेक्ष्य में युवाओं को विद्यार्थी परिषद से जुड़ने की अति आवश्यकता है यह छात्र संगठन सर्वांगीण विकास के साथ साथ एक शसक्त नागरिक का निर्माण करता है, अभ्यास वर्ग कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण की एक पाठशाला है ।

संचालन बुंदेलखंड विश्विद्यालय के फॉरेंसिक विभाग के इकाई अध्यक्ष सूर्या सेंगर ने किया। इस अवसर पर पूर्व दुर्ग नगर अध्यक्ष स्नेहा श्रृंगीऋषि, सूर्या सेंगर ,शिवम् कुशवाहा, रागिनी, ऋतिक ठाकुर, अनुज कुशवाहा, कृष्णा प्रजापति, अभिषेक प्रताप शुक्ला, सनी राजपूत, प्रशांत, अभिषेक साहू, देव साहू, स्पर्श सक्सेना आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी